CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-112
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 27 जुलाई 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

मनुष्य को अपने लक्ष्य में कामयाब होने के लिए खुद पर विश्वास होना बहुत ज़रूरी है।

सिंगल कॉलम

भारत नौवीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में, बांग्लादेश को मिली हार

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2024 के सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 10 से हराकर लगातार 9वीं बार फाइनल में जगह बनाई। बांग्लादेश ने भारत को 81 रन का मामूली टारगेट दिया था जिसे शेफाली वर्मा (26), स्मृति मंधाना (55) ने आसानी से हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। भारत की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश की पारी को तहस-नहस कर दिया। बांग्लादेश की तरफ से मात्र दो ही बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार कर सके। विकेटकीपर कप्तान निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 32 रन बनाए। इसके बाद शोरना अख्तर ने 19 रन का योगदान दिया। पूरी बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 80 रन बनाकर सिमट गई। भारत को रिकॉर्ड 9वीं बार फाइनल में पहुंचने के लिए 81 रन बनाने थे। भारत की सलामी जोड़ी शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने बिना किसी परेशानी के इस लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। शेफाली वर्मा 26 रन तो स्मृति मंधाना 55 रन बनाकर नाबाद लौटीं। भारत न 11 ओवर में 83 रन बनाकर फाइनल का टिकट हासिल किया।

मोची की दुकान पर पहुंचकर चप्पल सिलने लगे राहुल गांधी

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर दीवानी न्यायालय से लखनऊ जाते समय शुक्रवार को अचानक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का काफिला गुप्तारगंज के विधायक नगर के रामचेत मोची की दुकान पर रुका। लोग जब तक कुछ समझ पाते, राहुल दुकान में जा बैठे और रामचेत से बातचीत करने लगे। इस दौरान राहुल गांधी ने जूते-चप्पल की सिलाई भी की। उनसे काम में आने वाली दिक्कतों को भी जाना। आश्वासन दिया कि हम आपकी आवाज बनेंगे। राहुल गांधी ने पूछा कि परिवार कैसे चलता है? रामचेत ने कहा कि दुकान से कभी 100 तो कभी 50 रुपये मिल जाते हैं। जवाब सुनकर राहुल सोच में पड़ गए और पूछा कि इतनी कम कमाई में परिवार का गुजारा कैसे करते हैं? रामचेत ने राहुल को काम की बारीकियों से अवगत कराया और कहा कि घर की माली हालत बहुत खराब है। कुछ आर्थिक मदद हो जाय तो नया व्यवसाय शुरू कर दूं। इस काम में स्वाभिमान नहीं है। लोग हेय दृष्टि से देखते हैं। यही कारण है कि बेटे को इस काम से दूर रखा है। राहुल गांधी ने दिलासा देते हुए कहा कि सबकी आवाज मैं उठाऊंगा। दुकान में बैठे राहुल ने चप्पल व जूते की सिलाई का तरीका पूछते ही एक चप्पल उठा ली और उसे सिलने लगे। राहुल का यह अंदाज देख सभी दंग रह गए। करीब पांच मिनट तक राहुल दुकान में रहे और जूते-चप्पल बनाने की बारीकियों को समझते रहे।

बारिश में जर्जर मकान गिरने से दबी बुजुर्ग महिला, रेस्क्यू जारी

सीहोर। नगरीय क्षेत्र में कई जर्जर भवन हैं, जिन्हें नगर पालिका को चिन्हित कर नोटिस देकर उन्हें गिराने की कार्रवाई करनी होती है, जिससे बरसात के समय जर्जर भवन हादसों का कारण न बन सके। लेकिन नगर पालिका की बड़ी चूक सामने आई है, जहां शनिवार को चरखा लाइन स्थित दो जर्जर मकानों के बीच बनी दीवार भरभरा कर पड़ोसी के घर पर गिर गई, जिससे वहां खाना बना रही एक बुजुर्ग महिला दब गई। घटना के तत्काल बाद नगर पालिका का रेस्क्यू अमला मौके पर पहुंचा और पिछले दो घंटे से उसे बाहर निकालने का प्रयास कर रहा है ।जानकारी के अनुसार चरखा लाइन जैन मंदिर के पास चंद्रकांता शर्मा स्व. भगवानदास शर्मा उम्र 85 वर्ष सुबह 10 बजे अपने भवन में खाना पका रही थी। इसी दौरान पड़ोसी की जर्जर दीवार धराशायी होकर उनके ऊपर गिर गई, जिससे वह मलबे के नीचे दब गई। सूचना मिलते ही नपा अमला मौके पर पहुंचा और वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में रेस्क्यू शुरू कर दिया। वहीं मौके पर एंबुलेंस भी बुलाई गई है। जर्जर भवन की दीवार गिरने से आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि भवन जर्जर था और दो दिन से लगातार बरसात हो रही है, जिससे भवन की दीवार गिरी है ।इस भवन में चंद्रकांता अपनी बेटी गुड़िया शर्मा के साथ रहती हैं, जो खाना बनाने में उनकी मदद कर रही थी। किसी सामान की जरुरत पड़ने पर वह दूसरे कमरे में गई थी, तभी अचानक दीवार उनके ऊपर गिर गई।

माछिल सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर, मेजर समेत 4 सैनिक जख्मी, 1 शहीद

जम्मू-कश्मीर । जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर सटे माछिल सेक्टर में आतंकियों और भारतीय सेना के बीच मुठभेड़ हुई। सैन्य सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आतंकियों ने पाकिस्तानी सेना के सपोर्ट से माछिल सेक्टर में एलओसी के पास बनी इंडियन आर्मी की पोस्ट को निशाना बनाया। आतंकियों की ओर से शुरू हुई गोलाबारी का भारतीय सैनिकों ने भी माकूल जबाव दिया। एक आतंकी के मारे जाने की जानकारी सामने आई है। दूसरी ओर, रक्षा अधिकारियों ने बताया कि माछिल मुठभेड़ में मेजर रैंक के अधिकारी समेत भारतीय सेना के 5 जवान घायल हो गए। सभी पांच जवानों को मौके से निकाल लिया गया है। घायलों में से एक जवान ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। खबर लिखे जाने तक सेना के जवानों और आतंकवादियों के बीच एलओसी के पास जंगल में एनकाउंटर जारी है।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक जारी

ममता पहुंचीं, तमिलनाडु समेत 3 विपक्षी मुख्यमंत्रियों का बहिष्कार

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (27 जुलाई) को राष्ट्रपति भवन के कल्चरल सेंटर में नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल मीटिंग की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक का मुख्य विषय विकसित भारत @2047 है, जिसका उद्देश्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने पर चर्चा करना है। मीटिंग में विकसित भारत @2047 के विज़न डॉक्यूमेंट के एप्रोच पेपर पर विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहभागिता और सहयोग को बढ़ावा मिल सके और ग्रामीण व शहरी जनता की जीवन गुणवत्ता में सुधार हो सके। नीति आयोग की बैठक को लेकर राजनीति भी चरम पर है। इंडिया गुट में शामिल कई विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों जैसे- तमिलनाडु के एम.के. स्टालिन, पंजाब के भगवंत मान और तेलंगाना के रेवंत रेड्डी ने इस बैठक का बहिष्कार करने का ऐलान किया। उन्होंने संघीय बजट में अपने राज्यों के साथ भेदभाव और केंद्र सरकार द्वारा उनके राज्यों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। इसके उलट पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मीटिंग में शामिल होंगी। सीएम योगी आदित्यनाथ, डॉ. मोहन यादव समेत बीजेपी शासित राज्यों के अन्य मुख्यमंत्री बैठक में शामिल होने के लिए कल्चरल सेंटर पहुंच चुके हैं। नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने पर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा- वित्त मंत्री द्वारा पेश बजट उन राज्यों और लोगों के खिलाफ बदले की कार्रवाई जैसा लगता है, जिन्होंने बीजेपी का बहिष्कार किया था।

सीएम मोहन यादव का ऐलान

मध्यप्रदेश में अग्निवीरों को दिया जाएगा आरक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को राज्य पुलिस और अन्य सशस्त्र बलों में अग्निवीरों के लिए आरक्षण की घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट में सीएम ने कहा कि आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हमारी सरकार ने निर्णय किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुसार अग्निवीर जवानों को पुलिस एवं सशस्त्र बलों की भर्ती में आरक्षण दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अग्निवीर योजना न केवल सेना के आधुनिकीकरण के लिए है, बल्कि यह योग्य सैनिकों की भर्ती और वैश्विक स्तर पर सेना को युवा बनाने की योजना भी है। उन्होंने यह भी कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प का अनुसरण करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीएम मोहन यादव ने ट्वीट किया, आज कारगिल दिवस के अवसर पर हमारी सरकार ने निर्णय किया है कि अग्निवीर जवानों को पुलिस एवं सशस्त्र बलों की भर्ती में आरक्षण दिया जाएगा।

यूपी, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड में भी मिला आरक्षण- मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश की बात करें तो यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शुक्रवार को घोषणा की कि अग्निवीरों को पुलिस और पीएसी (पुलिस आर्म्ड कांस्टेबुलरी) की भर्ती में आरक्षण दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने भी ऐलान किया कि छत्तीसगढ़ राज्य के अग्निवीर जब भारतीय सेना में अपनी सेवा के पश्चात वापस आएंगे तो छत्तीसगढ़ सरकार इन नौजवानों को पुलिस सेवा में आरक्षक, वन सेवा में वन रक्षक और जेल प्रहरी इत्यादि पदों में प्राथमिकता के आधार पर समायोजन की सुविधा देगी। उत्तराखंड सरकार ने भी अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण की घोषणा की है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, सशस्त्र बलों में सेवा करने के बाद लौटने पर अग्निवीरों को उत्तराखंड में सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाएगा।

बीएसएफ और सीआईएसएफ में 10 प्रतिशत आरक्षण- दो दिन पहले ही केंद्र सरकार ने बीएसएफ और सीआईएसएफ में अग्निवीरों को दस प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की है। इस संबंध में फैसला दो हफ्ते पहले हो गया था। औपचारिक घोषणा बुधवार को हुई है।

मंत्री से 5 लाख की डिमांड: भाजपा संगठन मंत्री का पीए बन आरोपी ने किया कॉल

वन मंत्री रामनिवास रावत से ठगी की कोशिश

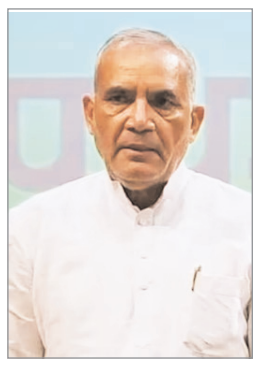

भोपाल। मध्य प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत से ऑनलाइन फ्रॉड की कोशिश हुई है। जालसाज ने फोन कॉल कर उनसे पांच लाख की डिमांड की है। मंत्री रामनिवास रावत की शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। उसने खुद को भाजपा का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री का पीए बताकर मंत्री से रुपए मांगे थे। वन एवं पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत ने 19 जुलाई को भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र से मामले की शिकायत की थी। जिसके बाद क्राइम ब्रांच पुलिस ने स्नढ्ढक्र दर्ज कर पड़ताल शुरू की। स्नढ्ढक्र के अनुसार, मंत्री रावत को मोबाइल नंबर 9285127561 से कॉल आया था। कॉलर ने खुद को भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डी. संतोष का निज सचिव बताया। साथ ही कहा, विजयपुर उपचुनाव में कुछ लोगों की व्यवस्था करानी है। हर व्यक्ति के हिसाब से पांच लाख देने होंगे। मंत्री रामनिवास रावत ने साइबर ठग की बात को दो-तीन बार तो टाल दिया, लेकिन कॉलर के फोन लगातार आते रहे। उसने एक अन्य शख्स से भी बात कराई। जिसने खुद को भाजपा का संगठन महामंत्री डी. संतोष बताया। आरोपी धीरे-धीरे गंभीर आवाज में बात कर रहा था। दरअसल, रानिवास रावत श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक रहे हैं। मंत्री पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। लिहाजा, विजयपुर में उपचुनाव होना है। जिसके लिए दोलों दलों की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वनमंत्री रावत को उपचुनाव में मदद के बहाने साइबर ठगी का शिकार बनाने की कोशिश थी। हालांकि, क्राइम ब्रांच पुलिस ने धारा 319 (2) भारतीय न्याय संहिता एवं 66 (ष्ट) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। फिलहाल, उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया गया।

एलन मस्क ने शुरू किया सैटेलाइट इंटरनेट, बिना सिम के बनेगा काम

नई दिल्ली। एलन मस्क की तरफ से सैटेलाइट इंटरनेट प्रोजेक्ट स्टारलिंक पर काम किया जा रहा है। कंपनी ने 1 हजार से ज्यादा एयरक्राफ्ट को हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध करवा दिया है। मस्क के लिए यह बड़ी उपलब्धि है और वे लगातार सैटेलाइट इंटरनेट की वकालत कर रहे हैं। यह इंटरनेट बिना सीम के मिलेगा। एलन मस्क अपनी इंटरनेट की सर्विस की वजह से लगातार चर्चा में हैं। सैटेलाइट नेटवर्क की वजह से आपकी काफी मदद होने वाली है। दरअसल यह पूरी दुनिया में अभी चर्चा का विषय बना हुआ है। एयरक्राफ्ट को सैटेलाइट इंटरनेट मिलने से साफ हो गया है कि यह बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है। क्योंकि यह ऐसा ही कि जैसे जमीन पर हाई-स्पीड फाइबर कनेक्शन मिलना। अब एयरक्राफ्ट में सैटेलाइट इंटरनेट दिया जा रहा है।

1 हजार एयरक्राफ्ट को इंटरनेट

1 हजार एयरक्राफ्ट को इंटरनेट सर्विस देने के बाद मस्क ने साबित कर दिया कि बहुत जल्द ये यूजर्स को मिलने वाला है। ऐसे में एयरक्राफ्ट में सफर करने वाले यात्री फास्ट इंटरनेट का लाभ हासिल कर पाएंगे। अब बात करें कि आखिर इसमें ऐसी क्या खासियत है तो कहा जा सकता है कि इससे यूजर्स को फास्ट इंटरनेट मिलने वाला है। एंटरटेनमेंट या प्रोडक्टिविटी पर भी इसका असर पड़ेगा क्योंकि यूजर्स आसानी से इसका इस्तेमाल कर पाएंगे।

समय ज्यादा दूर नहीं

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की इस उपलब्धि के बाद कहा जा सकता है कि अब समय ज्यादा दूर नहीं है। बहुत जल्द लोगों को जमीन पर भी ऐसा ही फास्ट इंटरनेट मिलने वाला है जो सीधा सैटेलाइट से कनेक्ट होगा। इसके लिए अन्य सैक्टर्स से भी बात की जा रही है।

इस तरह करता है काम

आपका इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर एक हाई-फ्लाइंग सैटेलाइट को सिग्नल भेजता है जो इसे आपके जरिये स्थापित एंटीना से बाउंस करता है। फिर सिग्नल एक मॉडेम को भेजा जाता है, जो आपके घर में स्थापित होता है और इंटरनेट कनेक्टिविटी को चालू कर देता है। स्टारलिंक में कोई केबल नहीं होने की वजह से दूरदराज के इलाकों में इसका इस्तेमाल हो सकता है।

संसद में अहम आंकड़े पेश

देश में पिछले पांच साल में 628 बाघों की मौत

नई दिल्ली। देश में बीते पांच वर्षों में 628 बाघों की मौत हुई है। इनमें प्राकृतिक कारणों के साथ ही शिकार के दौरान मारे गए बाघों की संख्या भी शामिल है। सरकार ने यह आंकड़े पेश किए हैं। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के डेटा के अनुसार, साल 2019 में देश में 96 बाघ मारे गए। साल 2020 में यह आंकड़ा 106, साल 2021 में 127, साल 2022 में 121 और साल 2023 में 178 बाघ मारे गए। केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया कि बीते पांच वर्षों में 349 लोग बाघ के हमलों में मारे गए हैं। महाराष्ट्र राज्य में सबसे ज्यादा 200 लोग बाघ के हमलों में जान गंवा चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2019 और 2020 में 49-49 लोगों की मौत बाघ के हमलों में हुई। वहीं 2021 में 50, 2022 में 110 और 2023 में 82 लोगों की जान बाघ के हमलों में गई। उत्तरप्रदेश में 59 और मध्यप्रदेश में 27 लोगों की मौत बाघ के हमलों में हुई।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2023 में साल 2012 के बाद सबसे ज्यादा बाघों की मौत हुई। अभी देश में मौजूद बाघों की कुल संख्या 3,682 है, जो पूरी दुनिया में पाए जाने वाले बाघों की कुल जनसंख्या का 75 प्रतिशत है। सरकार के ये आंकड़े साल 2022 के हैं। भारत सरकार ने साल 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की थी। इसी प्रोजेक्ट टाइगर के तहत देश में बाघों के संरक्षण की शुरुआत की गई। शुरुआत में 18,278 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले नौ टाइगर रिजर्व से प्रोजेक्ट टाइगर को शुरू किया गया था। आज देश में कुल 55 बाघ संरक्षण केंद्र हैं, जो कुल 78,735 वर्ग किलोमीटर का इलाका कवर करते हैं। यह देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत है।

बेशकीमती कोहिनूर हीरे के लिए हुआ कल्चरल प्रॉपर्टी एग्रीमेंट

नई दिल्ली। देश की गुलामी के दौरान पुरातात्विक महत्व की अनेक मूर्तियों, कलात्मक वस्तुओं या रत्न-आभूषणों को अंग्रेजों के द्वारा लूटा गया था। इन लूटी हुई वस्तुओं में कोहिनूर हीरा भी शामिल है जो इस समय लंदन के ज्वेल हाउस में है। लंबे समय से करोड़ों भारतीयों की इच्छा रही है कि यह कोहिनूर हीरा अब देश में वापस आना चाहिए, लेकिन ब्रिटेन ने अब तक ऐसा कोई रुख नहीं दिखाया है जिससे इस बेशकीमती हीरे के भारत वापसी का रास्ता तैयार हो सके। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच शुक्रवार को हुए एक समझौते के बाद इसकी देश वापसी का रास्ता निकल सकता है। दरअसल, शुक्रवार 26 जुलाई को दिल्ली और न्यूयॉर्क के बीच हुए एक समझौते में यह तय किया गया है कि किसी भी देश की गुलामी के दौरान लूटी गई या तस्करी के माध्यम से किसी दूसरे देश को ले जाई गई पुरातात्विक महत्व की कलात्मक वस्तुओं को उसके मूल देशों को वापस लौटाने का प्रयास किया जाएगा। इस समझौते को कल्चरल प्रॉपर्टी एग्रीमेंट नाम दिया गया है। इसके लिए भारत और अमेरिका मिलजुलकर प्रयास करेंगे। शुरुआती दौर में यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच हुआ है, लेकिन शीघ्र ही दुनिया के अन्य देशों को भी इससे जोड़ा जाएगा। इस कार्य की सफलता के लिए विभिन्न देशों की एजेंसियों को एक मंच पर लाने और उन्हें इसके लिए सहमत करने की आवश्यकता पड़ेगी। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित हो रहे द हाट ऑफ आर्ट की तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी को उद्घाटन के दौरान बताया कि भारत और अमेरिका के बीच हुए इस समझौते का लाभ केवल हमारे देश को ही नहीं होगा, बल्कि दुनिया के अन्य देशों को भी मिलेगा।

पीएम मोदी ने किया पहला विस्फोट

लद्दाख शुरू हुआ दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का काम

नई दिल्ली। लद्दाख में दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का काम शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश और केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुविधा प्रदान करने वाली सुरंग के निर्माण के लिए पहला विस्फोट किया। निर्माण पूरा होने के बाद यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी। शिंकुन ला सुरंग न केवल हमारे सशस्त्र बलों और उपकरणों की तेज एवं कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी, बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी। शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी दोहरी-ट्यूब सुरंग शामिल है। इसका निर्माण निमू-पदुम-दारचा रोड पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर किया जाएगा। शिंकुन ला सुरंग प्रोजेक्ट के 4 साल में पूरा होने का अनुमान है। सुरंग पश्चिमी लद्दाख और जस्कर घाटी के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी। टनल का निर्माण पूरा होने पर यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी। वर्तमान में चीन की मीला टनल 15590 फीट की ऊंचाई पर है। नई सुरंग लंबी दूरी से की जाने वाली बमबारी या मिसाइल हमलों को झेलने में सक्षम होगी। इस तरह युद्ध की स्थिति में इसका इस्तेमाल बंकर के रूप में भी किया जा सकेगा। सुरंग के निर्माण के बाद मनाली और लेह के बीच दूरी 60 किलोमीटर कम हो जाएगी। इस सुरंग के निर्माण पर 1681 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। यह सुरंग चीन की सीमा पर चुनौतियों से निपटने में काफी अहम साबित होगी। चीन या पाकिस्तान की तरफ से किसी भी तरह के हमले की स्थिति में सीमा तक सेना के लिए रसद और हथियार पहुंचाने में आसानी होगी।

सिंगल कॉलम

पूरे प्रदेश में फिटनेस करवा सकेंगे इंदौर के वाहन, परिवहन विभाग का यूटर्न

इंदौर। परिवहन विभाग द्वारा लिया गया निर्णय विभाग को 24 घंटों में ही वापस लेना पड़ा। परिवहन मुख्यालय ने 12 जुलाई को तुगलकी फरमान जारी करते हुए कहा था कि इंदौर, भोपाल और ग्वालियर ने निजी ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर (एटीएस) को मान्यता दी गई है। इसके चलते इन तीनों ही जिलों में वाहनों का फिटनेस टेस्ट परिवहन विभाग द्वारा नहीं किया जाएगा। यह फिटनेस टेस्ट निजी सेंटर पर ही किया जाएगा। इस निर्णय के बाद आई तकनीकी समस्याओं के चलते 24 जुलाई तक इंदौर के सेंटर के लिए सिस्टम से अपाइंटमेंट ही जारी नहीं हो रहे थे। इसके बाद 24 जुलाई शाम को विभाग ने सिस्टम में बदलाव किया। विभाग ने इंदौर आरटीओ द्वारा किए जाने वाले फिटनेस अपाइंटमेंट के विकल्प को बंद कर दिया। इसके बाद वेदांती व्हीकल फिटनेस सेंटर का विकल्प खोल दिया। विभाग ने कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए इंदौर में रजिस्टर्ड वाहनों के प्रदेश में कहीं भी फिटनेस जांच ना किए जाने को लेकर भी सिस्टम में लॉक लगा दिया। जब यह बात सामने आई तो प्रदेश के ट्रांसपोर्टर्स भी विभाग के इस फैसले के खिलाफ विरोध दर्ज करवाने लगे।

बढ़ते हुए विरोध को देखते हुए। विभाग ने 25 जुलाई शाम से इंदौर के वाहनों की फिटनेस जांच पर लगाया प्रतिबंध वापस ले लिया है। अब इंदौर के वापस प्रदेश में कहीं भी फिटनेस जांच करवा सकेंगे। इंदौर के वाहनों को सिर्फ इंदौर में ही फिटनेस करवाने के इस निर्णय का चौतरफा विरोध हुआ।

बढ़ेगा मनोबल, थर्ड डिवीजन की जगह लिखा जाएगा पास डिवीजन

इंदौर। एनईपी 2020 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने का प्रयास किया है। स्नातक डिग्री में किए गए बदलाव भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इसके तहत हुए प्रमुख बदलावों के अंतर्गत अब स्नातक डिग्री में थर्ड डिवीजन की जगह ह्रपास डिवीजनह्व शब्द का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे छात्रों के मनोबल को बढ़ावा मिलेगा और समाज में उनके प्रति नकारात्मक धारणाओं को कम किया जा सकेगा। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम में आए इन बदलावों से छात्रों को गहन अध्ययन और शोध करने का मौका देगा। साथ ही, उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में करियर विकल्पों का पता लगाने में भी मदद मिलेगी। छात्र अब अपनी सुविधानुसार किसी भी सेमेस्टर में प्रवेश ले सकते हैं और डिग्री पूरी करने के बाद किसी भी समय पाठ्यक्रम छोड़ सकते हैं। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को बीच में छोड़ने पर भी छात्रों को डिप्लोमा या सर्टिफिकेट दिया जाएगा। बीएड और एमएड में सभी सीटों पर प्रवेश होगा। इससे शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिक से अधिक छात्रों को अवसर मिलेगा। एनईपी में चार वर्षीय स्नातक कोर्स बीच में छोड़ने पर भी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र मिलेगा। एक साल का कोर्स पूरा होने पर सर्टिफिकेट और दो साल पूरा होते ही डिप्लोमा दिया जाएगा। इसके लिए विद्यार्थियों को एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन करना होगा। इसकी प्रक्रिया विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुरू कर दी है।

इंदौर में डकैती डालने वाले दो डकैत रतलाम से गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर में डेरा डालकर खेल दिखाने के बहाने रैकी करते हुए आरोपी यहां डकैती की वारदात करते थे। ग्रामीण पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को रतलाम से पकडा। डकैतों के और साथियों की जानकारी मिली है। उनसे पूछताछ की जा रही है। डीएसपी उमाकांत चौधरी के मुताबिक 13 जुलाई को महंत अमृतगिरी महाराज के साथ मारपीट करते हुए लूट की वारदात हुई थी। इसके बाद आरोपियों ने बाणगंगा में कमलदास महाराज के आश्रम में वारदात की थी। शहरी पुलिस के साथ ग्रामीण पुलिस भी इस वारदात को लेकर सक्रिय थी। जिसमें 15 कैमरों के फुटेज निकाले गए। इस दौरान साईकिल पर दो आरोपियों के फुटेज मिले। उनकी पहचान के लिए पुलिस रतलाम तक पहुंची। जिसमें दो आरोपियों को पकड़ा गया। इनकी पहचान मोहम्मद गुलाम अली और साहिल उर्फ मुजार हुसैन है। जबकि सलीम उर्फ अब्दुल भंवर पुत्र मुजार हुसैन, फिला पुत्र मोहम्मद अली ,विक्की उर्फ नक्से हसन पुत्र मुजाह हुसैन,अमन पुत्र विक्की हुसैन फरार है। आरोपी डेरे में रहते हैं और अलग-अलग शहरों में खेल दिखाकर गुजर बसर करते हैं। खेल दिखाने के दौरान ही वह रैकी करते हुए डकैती, लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए कई थानों की पुलिस काफी दिनों से मेहनत कर रही थी।

मियावाकी जंगलः एक एकड़ की निगरानी के लिए तैयार किया जा रहा खास ड्रोन

इंदौर में एआई पता करेगा पौधों की ग्रोथ

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में पांच महीने पहले मियावाकी प्रोजेक्ट शुरू किया था, जिसने घने जंगल का स्वरूप ले लिया है। इसलिए अब मियावाकी की निगरानी के लिए खास ड्रोन तैयार किया जा रहा है। दरअसल श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) कालेज में बसंत पंचमी पर पांच महीने पहले मियावाकी पद्धति से एक एकड़ के एरिया में मियावाकी जंगल तैयार किया गया था। इसमें आठ हजार से ज्यादा पेड़ पौधे लगाए थे। यहां शहर और आसपास के 40 किलोमीटर की दूरी में विलुप्त हो रहे वृक्षों को इस जंगल में स्थान दिया गया था। इनकी निगरानी रखने के लिए अब ड्रोन का प्रयोग किया जाएगा.

खास पद्धति से किया गया है तैयार

एसजीएसआइटीएस ने रूपांतर नेचरल एंड हेल्थ आगेर्नाईजेशन के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। संस्था के फाउंडर मनवीर सिंह के मुताबिक सामान्य पौधे को बढ़ने से छह से सात साल लग जाते हैं, जबकि मियावकी पद्धति से तैयार इस जंगल में साढ़े पांच माह में पौधे 7 से 8 फीट तक पहुंच गए हैं। लगभग डेढ़ से दो साल में यह जंगल बनकर तैयार हो जाएगा। इन पेड़ों को चार पद्धति से लगाया गया है, जिसके बाद यह विकराल रूप ले चुका है। अब छोटे पेड़ों की निगरानी के लिए जंगल में जाना मुश्किल है। इसलिए ड्रोन के जरिये इनकी ग्रोथ पर निगरानी होगी।

ग्रोथ में कमी का पता चलेगा

एआई तकनीक होने से यह भी फायदा होगा कि इन पेड़ो की ग्रोथ में कहां कमी हैं वो भी बताएगा। कोई नई प्रजाति पनपी तो वो भी बताएगा। मियावकी जंगल में फिलहाल 150 से अधिक सांप आ गए है। वहीं 25 प्रकार की तितलियां और 12 प्रकार की चिड़ियों से अपना रैन बसेरा यहां बना दिया है। इसलिए सुरक्षा के चलते ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। ड्रोन से पूरे जंगल का मुआयना किया जाएगा कि कौन सा पौधा सूख रहा है या कौन से पौधे में फल या फूल आने लगे हैं। उसी हिसाब से वहां पानी छिड़काव किया जाएगा, ताकि जंगल में एक भी पौधा सूख या नष्ट न हो पाए। इस ड्रोन को अगले माह से शुरू किया जाएगा। इस ड्रोन को सीड बॉल ड्रापिंग और पार्सल डिलिवरी के लिए भी प्रयोग किया जा सकेगा।

पेड़ों पर नंबर टैगिंग की गई

संस्था की प्रीति बाथम के मुताबिक मियावाकी जंगल में पौधारोपण करने के पहले पूरी जमीन को एक फीट खोदी गई है। इसके बाद इस पर बायोमास डाला गया। इसमें भूसा और गोबर डाला गया। यह बायोखाद का काम करती है। यह कठोर जमीन को नर्म करने को काम करती है। इससे पौधे तेजी से ग्रोथ करते हैं। मियावाकी फॉरेस्ट थोड़ा घना होता है। ऐसे में उसके भीतर जाकर निगरानी करना मुमकिन नहीं होता है। इसी के चलते फॉरेस्ट तैयार करते वक्त पेड़ों पर नंबर की टैगिंग की गई थी। इससे ड्रोन से पेड़ों की निगरानी करना आसान रहेगा।

5100 मोतियों की माला पहनाकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का करेंगे सम्मान, 2550 पौधे रोपने का लिया था संकल्प, 1500 रोपे बचे 1050 रविवार को रोपेगा समाज

भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाण महोत्सव वर्ष के चलते होगा वृहद वृक्षारोपण

महावीर जैन । सिटी चीफ

इन्दौर। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं भगवान बाहुबली दि. जैन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 28 जुलाई को भगवान महावीर के 2550 निर्वाण महोत्सव मनाया जाएगा। जिसमें मुनिश्री पूज्य सागर महाराज प्रवचनों की अमृत वर्षा भी करेंगे। गोम्मटगिरी पर्वत तलहटी पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के दौरान वृहद वृक्षारोपण एवं सम्मान समारोह का आयोजन भी होगा। जिसमें समाज बंधुओं द्वारा पौधे का रोपण कर उसे पेड़ बनाने की शपथ दिलाई जाएगी। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का 5100 मोतियों की माला पहनाकर सम्मान किया जाएगा।

आयोजन प्रमुख संयोजक नकुल पाटौदी, पिंकेश टोंग्या एवं महावीर जैन ने बताया कि सामाजिक संसद के अध्यक्ष नरेंद्र वेद, ड़ी. के. जैन के मार्गदर्शन में गोम्मटगिरी पर रविवार सुबह 9 बजे से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में समग्र दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठजनों के साथ-साथ सभी समाजजनों को आमंत्रित किया गया हैं। इंदौर के 100 वर्ष पुराने 125 जिनालय एवम नए जिलालयों के नाम से भी वृक्षारोपण कर सभी के नाम से तख्तियां लगाई जाएगी सभी 125 जिनालय के अध्यक्ष ,मंत्री व प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे पूरे दिन ड़ी.जे. पर सुमधुर गीत संगीत पर आनद के साथ वृक्षारोपण किया जावेगा पर्वत पर अलग-अलग वन बनाए जा रहे हैं जिसमें प्रमुख रूप से आचार्य गुरुदेव विद्यासागर जी महाराज वन ,आचार्य गुरुदेव विद्यानंद जी महाराज वन गुरुदेव तरुण सागर जी महाराज वन जैसे कई ऊधान गोमटगिरी पर विकसित किए जाएंगे आने वाले यात्रियों के लिए बड़ा गणपति गौरी नगर बजरंग नगर क्लर्क कॉलोनी परदेशीपुरा तुलसी नगर महालक्ष्मी नगर उदय नगर गोयल नगर से आने वाले यात्रियों के लिए भी निशुल्क बस व्यवस्था भी आयोजको के द्वारा की गई है साथ ही डीजे की सु मधुर संगीत की यात्रा भी आयोजन के दौरान समाज जनों के लिए की गई है कार्यक्रम के दौरान भगवान महावीर के 2550 निर्वाण महोत्सव इस अवसर पर मनाया जाएगा साथ मुनिश्री पूज्य सागर महाराज धर्मसभा को संबोधित करेंगे। मुनिश्री के सान्निध्य में दिगंबर जैन समाज द्वारा लिए गए 2550 फलदार व छायादार पौधे रोपने का संकल्प भी पूरा होगा। गोम्मटगिरी की तलहटी पर समाज बंधु द्वारा 1500 पौधे रोपे जा चुके हैं 1050 पौधे रविवार को रोपने के साथ ही समाज द्वारा लिया गया संकल्प पूरा होगा। गोमटगिरी पर लगाए जाने वाले सभी वृक्ष 8 से 12 फीट के लगाया जा रहे हैं कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा इन्दौर की धरा को हरा-भरा करने के उद्देश्य से लिए गए 51 लाख पौधा रोपण करने के संकल्प को लेकर उनका 5100 मोतियों की माला पहनाकर सम्मान किया जाएगा। अभी पितृ पर्वत सहित अन्य क्षेत्रों में 11 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है।

बच्चे के साथ गंदी हरकत पर दोषी को 20 साल की सजा

इंदौर। अवयस्क बालक के साथ लैंगिक अपकृत्य करने वाले आरोपी को इंदौर जिला कोर्ट ने बीस साल की सजा सुनाई है। कोर्ट में पीड़ित बालक अपने बयानों से पलट गया लेकिन इसके बावजूद कोर्ट ने आरोपी को सजा सुनाई। कोर्ट ने निर्णय में टिप्पणी की है कि यदि आरोपी के साथ उदारता का व्यवहार किया गया तो समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा इसलिए आरोपी के साथ उदारता नहीं बरती जानी चाहिए। जिला लोक अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायालय तेरहवें अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) सुरेखा मिश्रा इंदौर ने थाना चंदननगर के केस में फैसला सुनाया है। आरोपी मोहम्मद सोहेल उम्र 26 वर्ष निवासी इंदौर को पॉक्सो एक्ट की धारा 5एम/6 में 20 साल की सजा और 8 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया है। केस में पैरवी विशेष लोक अभियोजक सुशीला राठौर ने की। कोर्ट द्वारा पीड़ित बालक को 40 हजार रुपए की राशि प्रतिकर के रूप में दिलाए जाने की अनुशंसा की गई है। दरअसल, पीड़ित बालक अपने पिता और चाचा के साथ 23 दिसबंर 2022 को पुलिस थाना चंदन नगर पहुंचा था। उसने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि कि वह माता-पिता के साथ रहता है। कक्षा दूसरी में पढ़ाई करता है। उसके पिता ने नया घर लिया है, जिसमें लाईट का काम सोहेल कर रहा है। 23 दिसंबर 2022 को दोपहर 3 बजे वह अपने नए घर में सोहेल के लिए पानी लेकर गया था और फिर वह वहीं खेलने लगा। थोड़ी देर बाद सोहेल ने उसे आवाज देकर नट-बोल्ट पकड़ने के लिए बुलाया, तो वह वहां पर उसकी मदद कर रहा था। तभी सोहेल उसे हाथ पकड़कर अपने साथ बाथरूम में ले गया। उसने सोहेल से कहा कि बाथरूम में क्यों लेकर आए हो, तो सोहेल ने बोला कि चुपचाप खड़ा रहो। उसके बाद सोहेल गंदी हरकत करने लगा। पीड़ित बालक की रिपोर्ट पर से पुलिस ने केस दर्ज किया। जांच के बाद कोर्ट में चालान पेश किया। जिस पर से कोर्ट ने आरोपी को बीस साल की सजा सुनाई है।

नाबालिग बालिका से ज्यादती करने के दोषी को उम्र कैद

इंदौर। नाबालिग बालिका के साथ ज्यादती के मामले में आरोपी को कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। जिला लोक अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायालय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) सुश्री सविता जडिया इंदौर ने थाना संयोगितागंज के केस में फैसला सुनाया है। आरोपी सोनू करोसिया उम्र 33 वर्ष निवासी इंदौर को धारा 376 एबी, धारा 376(2) (एन) तथा 5 (एम)/6 एवं 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट में उम्र कैद की सजा सुनाई है। प्रकरण में पैरवी विशेष लोक अभियोजक/अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी संजय मीणा ने की। कोर्ट द्वारा पीड़ित बालिका को 2 लाख रुपए प्रतिकर के रूप में दिलाए जाने की अनुशंसा की गई है। दरअसल, 14 दिसंबर 2021 को ड्यूटी के दौरान उपनिरीक्षक थाना संयोगितागंज को बाल कल्याण समिति इंदौर की सदस्य का फोन आया कि नौलखा बस स्टैंड के पास रहने वाली पीड़िता के साथ आरोपी सोनू ने दुष्कर्म किया है। वह उनके ऑफिस आए और कार्यवाही करें। थाने से उपनिरीक्षक सीडब्ल्यूसी ऑफिस पहुंची, जहां पीड़िता ने बताया कि वह, उसकी छोटी बहन और मां अटाला बीनने का काम करते हैं। जब उसकी मां अटाला बीनने जाती थी तब उसके घर से थोड़ी दूर कॉम्प्लेक्स के सामने सोनू अपनी झोपड़ी में दोनों बहनों को बुलाता था और उसके कपड़े उतरवा लेता।

न्याय नगर की सात एकड़ जमीन पर बने 77 मकानों को तोड़ने पहुंचा नगर निगम, हुआ हंगामा

बरसते पानी में मकान तोड़ने पहुंचे निगम के अमले पर हमला

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में न्याय नगर की सात एकड़ जमीन पर बने 77 मकानों को बरसते पानी में हटाने पहुंचे नगर निगम के अमले को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। सैकड़ों महिलाएं सड़क पर आ गई और बुलडोजर के सामने खड़ी हो गई। कुछ ने अफसरों से धक्का-मुक्की की कोशिश भी की। उनका कहना था कि वर्षाकाल में अतिक्रमण विरोधी मुहिम नहीं चलाई जाती है। फिर क्यों अभी मकान तोड़े जा रहे हैं। विरोध के दौरान कुछ युवकों ने पथराव कर जेसीबी के कांच भी फोड़ दिए। भारी हंगामा और हाथापाई हुई। रहवासियों ने निगम अमले पर हमला कर दिया।

अफसर कोर्ट के आदेश का हवाला देकर मकान तोड़ने पर आमदा थे। आखिरकार निर्माणाधीन मकानों को हटाने पर सहमति बनी। जिन मकानों में लोग रह रहे है,फिलहाल उन्हें नहीं तोड़ा गया, लेकिन उन्हें स्वेच्छा से मकान हटाने के नोटिस नगर निगम द्वारा पहले ही दिए जा चुके है। शुक्रवार को 15 मकान तोड़े गए। शुक्रवार सुबह सात बजे नगर निगम का अमला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गया था। मुहिम शुरू करने से पहले महिलाएं विरोध करने लगी। कुछ युवक जेसीबी के सामने खड़े हो गए। महिलाएं चीखने के अलावा अफसरों के सामने रोने लगी। उनका कहना था कि हमने कर्ज लेकर मकान बनाए। सभी मध्यमवर्गीय परिवार है। मकान टूट गए तो कहां जाएंगे

कोर्ट आदेश का पालन करना है

अफसरों ने कहा कि जमीन को कब्जे से मुक्त कराने के निर्देश कोर्ट ने दिए है। हमें तो कोर्ट आदेश का पालन करना है। आखिरकार निर्माणाधीन मकानों को तोडने का फैसला लिया गया। इस जमीन का मामला कई वर्षों से कोर्ट में है। सुप्रीम कोर्ट ने जमीन के मामले में श्रीराम बिल्डर्स के पक्ष में फैसला सुनाया है और कब्जे हटाने के निर्देश दिए है। इस जमीन पर बीते 10 सालों में मकान बने है।

97 मकानों पर स्टे

खजराना क्षेत्र के समीप न्याय नगर की सात एकड़ जमीन का विवाद 20 साल पुराना है। पहले यह जमीन इंदौर विकास प्राधिकरण की स्कीम में शामिल थी। फिर जमीन मुक्त हो गई।

2030 तक इंदौर सहित 20 शहरों को करना पडेगा जल संकट का सामना

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में नर्मदा को शुद्ध रखने और उसके आसपास इको सिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें देशभर के विशेषज्ञ मौजूद थे। बैठक में नीति आयोग की रिपोर्ट का भी उल्लेख किया गया। जिसमें कहा गया है कि इंदौर देश के उन 20 शहरों में शामिल है। जिन्हे वर्ष 2030 तक पेयजल के संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसे दूर करने के लिए नर्मदा नदी के सरंक्षण और शुद्धिकरण पर जोर देना जरुरी है। कार्यशाला का आयोजन नर्मदा लैंडस्केप रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट के तहत किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि पीसीसीएफ के सेवानिवृत अधिकारी डॉ. पी.सी. दुबे थे। विशेषज्ञों ने कहा कि देशभर के कई बड़े शहरों की पानी की उपलब्धता को लेकर स्थिति गंभीर होने लगी है। साफ पानी की आपूर्ति के लिए वाटर इकोसिस्टम को संरक्षित करने की आवश्यकता है। इसी कड़ी में नर्मदा नदी के किनारे बसे लोगों के साथ जल संरक्षण करने का प्रयास किया जा रहा हैं। नदी के आसपास खेती करने वाले किसानों को जैविक खेती करने के लिए जागरुक किया जा रहा है। ताकि नदी का जल दूषित न हो। इसके अलावा नदी किनारे पौधारोपण भी किया जा रहा है। इस प्रयासों के कारण चार वर्षों में नदी नालों में पानी की गुणवत्ता में 18 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। यह सहायक नदिया नर्मदा नदी में मिलती है। इस तरह के प्रयासों में इंदौर नगर निगम भी सहयोग करेगा।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उस दौरान भारत की लगभग 40 फीसदी आबादी के पास पीने का पानी का पर्याप्त स्त्रोत मौजूद नहीं होगा। इसके कारण इंदौर सहित दिल्ली, बेंगलुरु जैसे कुल 20 शहरों को भीषण जलसंकट का सामना करना पड़ सकता हैं। देशभर के कई बड़े शहरों की पानी की उपलब्धता को लेकर स्थिति काफी गंभीर होना शुरू हो भी चुकी है।

इसी कड़ी में साफ पानी की आपूर्ति के लिए वाटर इकोसिस्टम को संरक्षित करने की बेहद सख्त आवश्यकता हैं। इसी कड़ी में एनएलआरपी द्वारा नर्मदा नदी के किनारे बसे लोगों के साथ जल संरक्षण करने का प्रयास किया जा रहा हैं।

पर्यावरण संरक्षण और पर्याप्त जल आपूर्ति की चिंता

एनएलआरपी के प्रोजेक्ट हेड नितेश कुमार ने बताया यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) और एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित, एनएलआरपी को ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट (जीजीजीआई) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट (आईआईएफएम), भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में संचालित किया जा रहा है। समाज प्रगति सहयोग संस्था इस परियोजना में क्षेत्र कार्यान्वन का काम कर रही हैं। पानी की गुणवत्ता और मात्रा को बढ़ाने के लिए कृषि और वन-आधारित समुदाय के साथ मिलकर इस परियोजना के तहत कई ऐसे समाधान तैयार किए गए हैं, जिनके सकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं। पिछले 4 वर्षों में, इस परियोजना से नदी नालों में पानी की गुणवत्ता में 18त्न तक सुधार किया है। प्राकृतिक प्रबंधन बुनियादी ढांचे के पास भूजल स्तर में 20त्न से अधिक सुधार हुआ है।

आज मोर्चा- प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक में सभी से मंगाई चुनाव में किए कामों की रिपोर्ट

निष्क्रिय पदाधिकारियों की कांग्रेस से होगी रवानगी

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश कांग्रेस से अब निष्क्रिय पदाधकारियों की रवानगी की जाएगी। इसे लेकर शनिवार को मोर्चा- प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक रखी गई है। इसमें सभी से चुनाव में किए कामों की रिपोर्ट लाने को कहा गया है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने विभिन्न वर्गों को साधने के लिए मोर्चा-प्रकोष्ठों का गठन किया था। परिणाम विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी के अनुकूल नहीं रहे। अब इन सभी संगठनों की उपयोगिता का

आकलन किया जा रहा है। शनिवार को होने वाली बैठक में सभी को चुनाव में किए कामों की रिपोर्ट लेकर आने के लिए कहा गया है। पार्टी ने यह भी तय किया है कि निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस के समस्त विभागों और प्रकोष्ठों के प्रभारी जेपी धनोपिया ने बताया कि संगठन के अंतर्गत आने वाले विभागों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ पहले बैठक होगी। इसमें उनके प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा और सुधार के लिए सुझाव लिए जाएंगे। वहीं, दोपहर बाद से प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक होगी। इसमें उनसे लोकसभा चुनाव 2024 में अपने विभाग, प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों और गतिविधियों की जानकारी ली जाएगी। सूत्रों का कहना है कि ऐसे प्रकोष्ठ जिनकी प्रकृति एक जैसी है, उन्हें आपस में मिलाया जा सकता है तो विभिन्न संगठनों के उन पदाधिकारियों की छुट्टी की जाएगी जो निष्क्रिय हैं।

संगठन की मजबूती के लिए फंड जुटाने में लगी एमपी कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को विधानसभा और लोकसभा में मिली हार के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी लगातार हार के कारणों को तलाशने के लिए बैठकें कर रही हैं। साथ ही आगामी चुनावों को लेकर संगठन की मजबूती पर जोर दे रही है। इसी के साथ अब पार्टी के लिए फंड जुटाना शुरू कर दिया गया है। इसके लिए कांग्रेस ने ब्लॉक अध्यक्ष, जिला अध्यक्षों और कांग्रेस कार्यकताओं से 100-100 रुपए जमा कराने के निर्देश दिए है। इसके अलवा कांग्रेस ने अपने क्षेत्रों में लोगों से मेलजोल बढ़ाने और पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठके करने का निर्देश दिया है।

संभागीय बैठकों में पार्टी ने अपने ब्लॉक अध्यक्षों और जिला अध्यक्षों को फंड जुटाने के निर्देश दिए हैं। पार्टी फंड में 100-100 रुपए कार्यकताओं से जमा कराने को कहा है। ज्यादा से ज्यादा कार्यकताओं से 100 रुपए कलेक्शन करने की बात कही गई है।पार्टी ने कहा कि संगठन मजबूत करने अपने अपने क्षेत्र में कार्यक्रम करें। कांग्रेस के कार्यक्रमों में आम लोगों की भागीदारी होनी चाहिए। लोगों से मेल जोल बढ़ाने और घर घर तक पहुंचने के भी निर्देश दिए गए है। वहीं जिला और ब्लॉक कार्यकारिणी को लेकर भी चर्चा हुई है। अब कार्यकारिणी छोटी रखने की जानकारी दी गई है। कांग्रेस का फोकस अब बड़ी नहीं बल्कि छोटी और काम करने वाले लोगों को जगह देने पर रहेगा।

प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश, 21 जिलों में अलर्ट

भोपाल में अब तक 20 इंच से ज्यादा बारिश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मानसून एक्टिविटी की वजह से भोपाल, गुना और विदिशा में शुक्रवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। उज्जैन और राजगढ़ में हल्की बारिश है। रतलाम में गुरुवार रात भारी बारिश का पानी घर-दुकानों में घुस गया। वहीं, मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भोपाल समेत 21 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल में अब तक 20 इंच बारिश हो चुकी है।

इस मानसूनी सीजन में पहली बार पूरा भोपाल एकसाथ तरबतर हो रहा है। गुरुवार को करीब 7 घंटे लगातार बारिश होने के बाद शुक्रवार सुबह से फिर पानी गिर रहा है। कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज यहां भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। भोपाल में अब तक 20 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में भोपाल में आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई है। कैचमेंट एरिया और कोलांस नदी के लेवल से ऊपर बहने के कारण बड़ा तालाब में पानी का लेवल बढ़ रहा है।

शुक्रवार सुबह जलस्तर 1663.30 फीट तक पहुंच गया। इसका फुल

टैंक लेवल 1666.80 फीट है। यानी, साढ़े 3 फीट पानी आते ही तालाब फुल हो जाएगा।

महापौर कंट्रोल रूम पहुंची, जलभराव से निपटने के बारे में जाना

भोपाल में जारी तेज बारिश की वजह से कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। ऐसे में शुक्रवार सुबह महापौर मालती राय नगर निगम के कंट्रोल रूम पर निरीक्षण करने पहुंची। यहां उन्होंने जलभराव के संबंध में अधिकारियों से चर्चा भी की।

इस तरह रहेगा आज का मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को भोपाल, राजगढ़, सीहोर, रायसेन सांची भीमबेटका, बालाघाट में बिजली के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही गुना, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम/पंचमढ़ी, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना पेंच में बिजली के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। विदिशा उदयगिरि, छतरपुर खजुराहो, सिवनी, मंडला कान्हा, डिंडोरी, शहडोल, उमरिया बांधवगढ़, अनूपपुर अमरकंटक के साथ-साथ आगर मालवा, उज्जैन महाकालेश्वर, इंदौर, हरदा, बैतूल में बिजली के साथ हल्की आंधी सागर, दमोह, अशोकनगर, श्योपुर-कलां, भिंड, मुरैना, ग्वालियर, दतिया रतनगढ़, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, रतलाम, मंदसौर गांधीसागर बांध, पूर्वाह्न में टीकमगढ़, पन्ना में बारिश होने की संभावना है।

लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी की नई गाइडलाइन

मप्र के सरकारी स्कूलों में 7 अगस्त तक नियुक्त होंगे 70 हजार अतिथि शिक्षक

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के करीब 70 हजार से अधिक खाली पद हैं। इसके अलावा हाल में शिक्षकों के उच्च पद प्रभार व स्थानांतरण के कारण खाली पदों की संख्या और भी बढ़ गई है। इन खाली पदों पर अतिथि शिक्षक रखे जाएंगे।

इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने आदेश जारी कर दिए गए हैं। अतिथि शिक्षकों की एक अगस्त से प्रक्रिया शुरू होगी। आठ अगस्त तक प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बता दें, कि 30 अप्रैल के बाद अतिथि शिक्षकों को स्कूल से कार्यमुक्त कर दिया गया था। स्कूलों में तीनों वर्गों के शिक्षकों के 70 हजार खाली पदों पर अतिथि शिक्षक रखे जाएंगे। डीपीआई ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि 30 जुलाई तक स्कूलों में रिक्त पदों की सूची को प्रदर्शित करें।

पहले रखे जाएंगे पिछले सत्र के अतिथि शिक्षक

डीपीआई ने निर्देशित किया है कि पिछले सत्र 2023-24 में स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को पहले ज्वाइनिंग की सुविधा दी जाएगी। इसके बाद शेष रिक्त पदों पर स्कोर कार्ड के आधार पर मेरिट क्रम में स्कूल विकल्प चयन के बाद नए अतिथि शिक्षक रखे जाएंगे। इनके मानदेय का भुगतान हर महीने के सात तारीख को कर दिया जाएगा।

पोर्टल पर 30 तक रिक्तियां प्रदर्शित होंगी

प्रदेश के स्कूलों में अतिथि शिक्षकों को रखने के लिए रिक्तियों को जीएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाएगा। पोर्टल पर प्रदर्शित रिक्ति के अलावा अतिथि शिक्षक स्कूल में नहीं रखा जाएगा। अतिथि शिक्षकों को सात अगस्त तक ज्वाइनिंग करनी होगी।

शिक्षक निर्धारित समय अवधि तक उपस्थित नहीं होंगे तो उनकी ज्वाइनिंग अपने आप निरस्त हो जाएगी। इसके बाद आवेदक को शेष रिक्तियों के लिए होने वाली नई प्रक्रिया में भाग लेना होगा।

इसके बाद अतिथि शिक्षकों के लिए पोर्टल पर ज्वाइनिंग दर्ज करना और शाला प्रभारी से प्राप्त सत्यापित ज्वाइनिंग पत्रक की फोटो कॉपी पोर्टल पर अपलोड एक से सात अगस्त तक करनी होगी। स्कूल प्राचार्य द्वारा ज्वाइन किए गए अतिथि शिक्षक का वेरिफिकेशन भी इसी समय तक किया जाएगा।

ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग का अमला बाघ की सर्चिंग में जुटा

मदरबुल फार्म के पास बाघ ने गाय पर किया हमला

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में केरवा रोड स्थित मदरबुल फार्म में बाघ की गतिविधियां नजर आई, वहीं बैरागढ़ चीचली इलाके में भी बाघ ने एक गाय पर हमला कर उसे घायल कर दिया। दोनों स्थानों पर बाघ की हलचल नजर आने से क्षेत्र के लोग बुरी तरह दहशत में हैं। बाघ के नजर आने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम बाघ की सर्चिंग कर रही है। वन अमले ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

मदरबुल फार्म के आसपास बाघ अक्सर नजर आता है। यह इलाका जंगल से सटा हुआ है।

ज्ञात हो कि करीब सात महीने पहले एक बाघिन सुअर का शिकार करते हुए मदरबुल फार्म में पहुंच गई थी। इसके अलावा एक स्वतंत्र श्वान का शिकार करने के लिए एक बाघ आठ फीट ऊंची बाउंड्रीवाल फांदकर आ गया। पिछले महीने यानी जून में एक बाघ फार्म की मार्डन डेयरी के पास नजर आया था।

डीएफओ आलोक पाठक ने बताया कि बुधवार रात को बाघ ने एक गाय का हमला किया था। सूचना मिलने के बाद वन विभाग का अमला बाघ की सर्चिंग में जुटा हुआ है। बैरागढ़ चीचली निवासी विकास मीणा ने बताया कि गाय जंगल में चरने गई थी। तभी उस पर बाघ ने हमला कर दिया, लेकिन गाय बचकर घर के बरामदे में आ गई। गुरुवार सुबह देखा तो गाय लहूलुहान हालत में थी। उसकी पीठ और पैर की तरफ गहरे जख्म हैं।

विरोध करने पर उसने किशोरी को बदनाम करने और जान से मारने की दी धमकी

बात करने के बहाने घर बुलाकर पड़ोसी ने किया नाबालिग से दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। शहर के तलैया थाना इलाके में एक युवक ने पड़ोस में रहने वाली किशोरी को बात करने के बहाने से अपने घर बुलाया था। घर में सूनेपन का फायदा उठाकर उसने डरा-धमकाकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। साथ ही घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

तलैया थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में परिवार के साथ रहने वाली 16 वर्ष की किशोरी पढ़ाई छोड़ चुकी है और घरेलू काम-काज करती है। पड़ोसी होने के नाते जौहर अली नाम के युवक से बात होती थी। दोनों के परिवार के लोगों का भी एक दूसरे के घर आना-जाना था। 20 जुलाई को जौहर के घर के सभी लोग कहीं गए थे। वह घर में अकेला था। उसने बात करने के बहाने से किशोरी को अपने घर बुलाया। भरोसा होने के कारण किशोरी उसके घर चली गई। वहां कमरे का दरवाजा बंद करने के बाद डरा-धमकाकर जौहर ने किशोरी के साथ दुष्कर्म कर दिया। साथ ही बदनाम करने की धमकी और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मार देने की बात कहकर उसे चुप करा दिया। इससे किशोरी बुरी तरह सहम गई थी।

आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर

गुरुवार को जौहर ने फिर किशोरी को बुलाने के लिए दबाव बनाना शुरू किया, तो उसने घटना के बारे में परिजन को बता दिया। इसके बाद परिजन किशोरी को साथ लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने दुष्कर्म, पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सीएम उद्योगपतियों से बोले- अब एमपी आपको बुला रहा

कोयंबटूर में खोला जाएगा मप्र का उद्योग कार्यालय

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए तमिलनाडु के कोयंबतूर में मध्य प्रदेश का एक उद्योग कार्यालय खोला जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन्वेस्ट एमपी-इंटरेक्टिव सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि एमपी के उद्योग कार्यालय से मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के बीच व्यापार और व्यवसाय बढ़ाने के लिए सेतु का काम करेगा।

उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर समिट का उद्देश्य यह भी है कि व्यापार और व्यवसाय के आधार पर विभिन्न प्रदेश परस्पर नजदीक आएं और हम मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने की दिशा में संकल्पित होकर कार्य करें। यहां के उद्योगपतियों ने कोयंबतूर और तिरुपुर को अपने बलबूते पर इंडस्ट्रियल हब के रूप में स्थापित किया है, अब मध्य प्रदेश आपको बुला रहा है। हम आपको व्यापार व्यवसाय बढ़ाने के नए अवसर देने और प्रेम बांटते हुए मध्य प्रदेश एवं तमिलनाडु के संबंधों को अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से यहां आए हैं। सीएम ने कहा कि कोयंबतूर टेक्सटाइल एवं गारमेंट, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे औद्योगिक सेक्टर के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मैं आपको प्रदेश में चल रही निवेश क्रांति का हिस्सा बनने का निमंत्रण देने आया हूं। मुझे विश्वास है कि मध्य प्रदेश में उपलब्ध अपार अवसरों का लाभ उठाते हुए विकसित भारत के साथ ही विकसित मध्य प्रदेश के विजन को साकार करने में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एमपी पीपुल्स फ्रेंडली, डेवलपमेंट फ्रेंडली और एनवायरनमेंट फ्रेंडली

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र को खनिज-वन-जल और पर्यटन संपदा का भरपूर

उपहार मिला है। उद्योगों की स्थापना और निवेश के लिए मध्य प्रदेश पीपुल्स फ्रेंडली, डेवलपमेंट फ्रेंडली और एनवायरनमेंट फ्रेंडली स्थान है। प्रदेश की अन्य राज्यों से कनेक्टिविटी अच्छी है, प्रदेश के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से विभिन्न एक्सप्रेस-वे गुजर रहे हैं। प्रदेश विद्युत सरप्लस स्टेट है, ह्यउद्योगों के लिए पर्याप्त लैंड बैंक की भी उपलब्धता है और यहां क्लीन व ग्रीन एनर्जी का भंडार है। राज्य में 320 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र, 10 फूड पार्क्स, 5 आईटी एसईजेड, 2 स्पाइस पार्क्स, 2 मल्टी प्रोडक्ट एसईजेड तथा दो प्लास्टिक पार्क्स हैं। नए औद्योगिक पार्कों एवं एस.ई.जेड. की स्थापना की जा रही है। सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश फ्यूचर रेडी प्रदेश है, यहां संभावनाओं के साथ सरकार का सहयोग एवं जनता का साथ है।

1200 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए

प्रदेश सरकार ने एमपी में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए भोपाल में 7-8 फरवरी 2025 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में तमिलनाडु के उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से कोयंबतूर में रोड शो और निवेशकों व उद्योगपतियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया गया। सत्र में 1200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की तथा मध्य प्रदेश में निवेश के लिए 3500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए।

तीन एमओयू पर हस्ताक्षर

इंटरेक्टिव सत्र में 25 से अधिक उद्योगपतियों तथा 4 प्रमुख उद्योग संगठनों के साथ वन-टू-वन बैठक की गई साथ ही राज्य के ह्यएक जिला-एक उत्पादह्व के संबंध में भी जानकारी का प्रसार किया गया। इसके साथ ही इंडियन कॉटन कारपोरेशन के साथ प्रदेश में ईएलएस कॉटन के उत्पादन और रकबे को बढ़ावा देने के लिए नॉलेज शेयरिंग और प्रदेश में स्किल्ड मैन पावर की उपलब्धता को बढ़ाने तथा टैक्सटाइल क्लस्टर स्थापित करने के लिए तिरुपुर एक्सपोर्ट एसोसिएशन के साथ नॉलेज शेयरिंग संबंधी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। मध्य प्रदेश में कपास की खेती को बढ़ावा देने और रिसर्च एंड डेवलपमेंट शेयरिंग के लिए साउथ इंडिया मिल्स एसोसिएशन के साथ भी एमओयू हुआ।

साम्पदकीय

सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक प्रस्ताव युवाओं की इंटर्नशिप

कंपनियां हर साल 20 लाख युवाओं का कौशल विकसित करेंगी। इस तरह 5 साल के दौरान कुल एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के जरिये हुनरमंद किया जाएगा। इंटर्नशिप के दौरान कंपनियां 5000 रुपए प्रति माह का भत्ता देंगी और एकमुश्त 6000 रुपए भी देंगी। बजट में इस कार्यक्रम के लिए 2 लाख करोड़ रुपए का आवंटन रखा गया है। बेरोजगारी से लड़ने और निरंतर रोजगार-सृजन की यह महत्वपूर्ण परियोजना बताई जा रही है।

आम बजट 2024-25 का सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक प्रस्ताव है- युवाओं की इंटर्नशिप। यह एक व्यापक वोट बैंक भी साबित हो सकता है। यह ऐसा प्रशिक्षण भी साबित हो सकता है, जिससे बेरोजगारी कम होने लगे, लिहाजा रोजगार बढ़ता जाए। इस परियोजना के तहत भारत सरकार 500 बड़ी कंपनियों को छांटेगी। पांच साल के दौरान 4.10 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया है। कंपनियां हर साल 20 लाख युवाओं का कौशल विकसित करेंगी। इस तरह 5 साल के दौरान कुल एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के जरिये हुनरमंद किया जाएगा। इंटर्नशिप के दौरान कंपनियां 5000 रुपए प्रति माह का भत्ता देंगी और एकमुश्त 6000 रुपए भी देंगी। बजट में इस कार्यक्रम के लिए 2 लाख करोड़ रुपए का आवंटन रखा गया है। बेरोजगारी से लड़ने और निरंतर रोजगार-सृजन की यह महत्वपूर्ण परियोजना बताई जा रही है। बेरोजगारी सबसे अहम समस्या और चुनौती है, यह आम चुनाव के जनादेश से स्पष्ट हो चुका है। भाजपा को इस बार अकेले ही स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हुआ है। केंद्र में गठबंधन सरकार जारी है। बहरहाल इंटर्नशिप की पात्रता आयु 21-24 साल है। कई और शर्तें लगाई गई हैं, जो व्यावहारिक नहीं हैं। उनके कारण बेरोजगारी उन्मूलन का लक्ष्य अधूरा ही रह सकता है। पहला यथार्थ तब सामने आएगा, जब 500 कंपनियों के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। वे कंपनियां किन क्षेत्रों में परचम लहरा रही हैं और अच्छी तरह स्थापित हैं, यह खुलासा भी देश के सामने आना चाहिए। इंटर्नशिप के लिए युवाओं का चयन किस तरह होता है, यह भी गौरतलब होगा। इंटर्नशिप का पहला चरण दो साल का है। यह भी सवाल है कि क्या युवाओं की निरंतरता बनी रहेगी? दूसरा यथार्थ तब सामने आएगा, जब युवा किसी रोजगार का अनुभव तो हासिल कर लेंगे, लेकिन क्या वही कंपनियां उन्हें नौकरी देंगी? सरकार के सामने यह गंभीर चुनौती रही है कि श्रम-गहन क्षेत्रों में निजी निवेश बढ़ नहीं पा रहा है। दरअसल कंपनियों की ऐसे क्षेत्रों में निवेश की दिलचस्पी ही कम है, लिहाजा नए श्रम की भीड़ बढ़ाने के मद्देनजर कंपनियां नए, हुनरमंद युवाओं को नौकरी क्यों देंगी? कुछ अपवाद हो सकते हैं। बजट में दावा किया गया है कि 2 करोड़ को पहली नौकरी पर सरकार सीधी मदद देगी और युवा के आनंद को साझा करेगी। इस योजना से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को जोड़ा गया है। बजट का फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी यानी ज्ञान पर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आम चुनाव के दौरान इन चार वर्गों को ही चिह्नित किया था। उन्हें ही अपनी चार जातियां बताया था। बजट में युवाओं के रोजगार के लिए सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को 100 करोड़ रुपए तक का कर्ज देने की गारंटी सरकार ने दी है। एमएसएमई में अभी 11.10 करोड़ लोग जुड़े हैं। सरकार ने 2025 तक इनमें 5 करोड़ रोजगार जोड़ने का लक्ष्य रखा है। सवाल फिर दोहरा रहे हैं कि ये रोजगार कारोबारी होंगे अथवा नौकरी के रूप में दिए जाएंगे! इनके अलावा, आधारभूत ढांचे पर बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के आवंटन का प्रस्ताव है। सरकार का लक्ष्य है कि विभिन्न निर्माण-कार्य होंगे, तो रोजगार का विस्तार भी होगा। ऐसे इंटर्नशिप कार्यक्रम अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा सरीखे विकसित देशों में भी चलाए जा रहे हैं। दरअसल सरकार कोई भी हो, कल्याणकारी परियोजनाओं और सबसिडी मुहैया करा कर भी रोजगार नहीं दे सकती। बेरोजगारी की चुनौती से नहीं लड़ सकती। सरकार को एहसास हो रहा है कि बेरोजगारी को संबोधित करने के लिए उसके पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, लिहाजा इस अभियान में निजी क्षेत्र को जोड़ा जा रहा है। सरकार के आग्रह पर रोजगार और नौकरियां निजी क्षेत्र पैदा करेंगे। बदले में सरकार नियोक्ताओं को सबसिडी देगी। प्रधानमंत्री मोदी की 9 प्राथमिकताएं बजट के लिए तय की गई हैं। मसलन-मैन्यूफैक्चरिंग, सेवा क्षेत्र, रोजगार, कौशल विकास, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, आधारभूत ढांचा, सामाजिक न्याय आदि। रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए इन सभी क्षेत्रों को अच्छा-खासा बजट आवंटित किया गया है। मुद्रा लोन की सीमा भी 10 लाख से बढ़ा कर 20 लाख रुपए कर दी गई है। उसका लक्ष्य भी युवा केंद्रित है। अब यह बजट लागू होने के बाद देखना होगा कि बेरोजगारी की इंटर्नशिप कितनी कारगर साबित होती है। हालांकि यह बात समझी जानी चाहिए कि सभी बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां नहीं दी जा सकती। युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में भी अवसर टटोलने होंगे। निजी क्षेत्र के बिना बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।

वीरता और शौर्य का प्रतीक है सीआरपीएफ

आंतरिक सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) भारत का प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है। यह सबसे पुराना केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बल है, जिसे अब केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के रूप में जाना जाता है। आंतरिक सुरक्षा के मद्देनजर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की स्थापना की गई थी। इस बल की स्थापना अपराधियों और डकैतों से निपटने के लिए 27 जुलाई 1939 को क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में की गई थी।

भारत की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय सेना के कंधों पर है, लेकिन देश की आंतरिक सुरक्षा का जिम्मा सीआरपीएफ के पास है। जरूरत पड़ने पर सीआरपीएफ ने बॉर्डर पर सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कई अहम लड़ाइयों में अपना योगदान दिया है। चाहे बात पाकिस्तानी घुसपैठियों की हो या फिर चीन के हमलों को नाकाम करने की हो हर बार सीआरपीएफ ने अपनी वीरता और शौर्य से दुश्मनों को हार का स्वाद चखाया है। भारत के एकीकरण में जब बाधा आई थी, तब सीआरपीएफ ने अपनी भूमिका को पूरी मजबूती के साथ निभाया था। इसी प्रकार से लद्दाख में 1959 में चीनी हमले को सीआरपीएफ ने नाकाम किया था। ऐसे में आपको बताते हैं 85साल पहले स्थापित किए गए सीआरपीएफ के इतिहास के बारे में... दरअसल, आंतरिक सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) भारत का प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है। यह सबसे पुराना केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बल है, जिसे अब केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के रूप में जाना जाता है। आंतरिक सुरक्षा के मद्देनजर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की स्थापना की गई थी। इस बल की स्थापना अपराधियों और डकैतों से निपटने के लिए 27 जुलाई 1939 को क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में की गई थी। भारत की स्वतंत्रता के बाद , 28 दिसंबर 1949 को सीआरपीएफ अधिनियम के लागू होने पर यह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल बन गया। देश की आजादी के बाद 28 दिसंबर, 1949 को संसद के एक अधिनियम के तहत इस बल का नाम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिया गया। तत्कालीन गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल ने देश की बदलती जरूरतों के अनुसार, इस बल के लिए एक बहु आयामी भूमिका की कल्पना की थी।सीआरपीएफ ने देश की आजादी के बाद भारत को एक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीआरपीएफ ने वीरता दिखाते हुए जूनागढ़, काठियावाड़ जैसी रियासतों को भारत में शामिल कराया। बता दें कि इन राज्यों ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। इसके अलावा कच्छ, राजस्थान और सिंध सीमाओं में घुसपैठ और सीमा पार अपराधों की जांच के लिए इसकी टुकड़ियों को भेजा गया था। साथ ही सीआरपीएफ के जवानों ने पाकिस्तानी घुसपैठियों के हमलों को भी नाकाम किया था।

इसके बाद सीआरपीएफ को जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी सीमा पर तैनात किया गया।

सीआरपीएफ ने 21 अक्टूबर 1959 को चीनी हमले को भी नाकाम किया था। हालांकि, इस दौरान दस जवानों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था।

उनकी याद में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1962 के चीनी आक्रमण के दौरान एक बार फिर सीआरपीएफ ने अपनी बहादुरी की मिसाल पेश की। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना को सहायता प्रदान की। इस आक्रमण के दौरान सीआरपीएफ के 8 जवान शहीद हुए थे। वहीं, 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी सीआरपीएफ ने भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया था। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने विदेशी धरती पर भी बहादुरी दिखाई। सीआरपीएफ की 13 कंपनियों को आतंवादियों से लड़ने के लिए भारतीय शांति सेना के साथ श्रीलंका में भेजा गया था। इसमें महिलाओं की टुकड़ी को भी श्रीलंका भेजा गया था। इसके अलावा, सीआरपीएफ को संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के एक अंग के रूप में हैती, नामीबिया, सोमालिया और मालदीव भी भेजा गया था।

70 के दशक में जब उग्रवादियों ने त्रिपुरा और मणिपुर में शांति को भंग किया था। इस दौरान सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती की गई थी। साथ ही 80 के दशक में पंजाब में बढ़ती आतंकी घटनाओं को देखते हुए वहां भी सीआरपीएफ को तैनात किया गया था। 13 दिसंबर, 2001 को आतंकवादियों द्वारा भारतीय संसद पर किए गए हमले को भी सीआरपीएफ के बहादुर जवानों ने नाकाम कर दिया था। सीआरपीएफ और आतंकवादियों के बीच 30 मिनट तक चली गोलीबारी में पांचों आतंकियों को मार गिराया गया था। हालांकि, एक महिला सिपाही शहीद हो गई थीं। जिन्हें 26 जनवरी, 2002 को अशोक चक्र प्रदान किया गया था। केंद्रीय रिजर्व पुलिस आज तीन कठिन क्षेत्रों में संघर्ष कर रहा है-पूर्वोत्तर क्षेत्र विद्रोह, जम्मू-कश्मीर उग्रवाद और वामपंथी उग्रवाद यानी नक्सलियों से प्रभावित क्षेत्र। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस की मौजूदगी और लगातार उसकी गतिविधियों के परिणामस्वरूप नक्सलवाद के कारण मरने वाले लोगों की संख्या में कुछ कमी आई है और बड़ी संख्या में गैर-कानूनी हथियार भी बरामद हुए हैं। 24 नवंबर 2011 को योजनाबद्ध कार्रवाई में सीआरपीएफ और इसके विशिष्ट संगठन कोबरा के कमांडो को बहुत बड़ी कामयाबी मिली। एक ओर तो सीआरपीएफ ने नक्सलियों के खिलाफ कड़ा रुखअपनाया और बड़ी आक्रामक कार्रवाई की, दूसरी ओर उनके बीच नागरिक कल्याण कार्यक्रम भी शुरू करके उनके समाज की बेहतरी के लिए कार्य किया है।

प्रशिक्षण और मनोबल किसी भी वर्दीधारी बल की रीढ़ की हड्डी होते हैं। आजकल जिस तरह से कार्रवाई करनी होती है, उसे देखते हुए प्रत्येक जवान को हर लिहाज से स्वावलंबी होना होता है। उसके पास रात को देखने के लिए उपकरण, आधुनिक हथियार और इन हथियारों को चलाने की योग्यता तथा उच्च तकनीक वाले रेडियो संपर्क उपकरण, भू-स्थिति प्रणाली (जीपीएस), नक्शों की समझ और वनों की जानकारी होनी चाहिए, जोकि आज के समय की जरूरत है। सीआरपीएफ को जिस तरह से तरह-तरह के कार्य करने पड़ते हैं, उसे देखते हुए इसके प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सुधार किया गया है। इसके लिए जवानों को कई तरह के अभ्यास (ड्रिल) कराए जा रहे हैं, जैसे यूनिफॉर्म ड्रिल, हथियार ड्रिल, वाहन ड्रिल, रात्रि ड्रिल, खेल ड्रिल आदि। आत्म-विश्वास बढ़ाने के लिए हेली-स्लिदरिंग का कठिन अभ्यास किया जाता है। जंगल में रहने के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाता है। इन सबका उद्देश्य वास्तविक परिस्थितियों में संघर्ष के लिए प्रशिक्षण देना है। बुनियादी प्रशिक्षण के बाद अधिकारियों के लिए सिलचर (असम) या शिवपुरी (मध्यप्रदेश) में विद्रोहियों का मुकाबला करने और आतंकवादियों से संघर्ष करने से संबंधित पाठ्यक्रम अनिवार्य बना दिया गया है। इससे उन्हें नक्सलवादी इलाकों में कारगर नेतृत्व प्रदान करने में मदद मिलती है। तेरह अलग-अलग स्थानों पर 50 मीटर से लेकर 200 मीटर के बाधा-क्षेत्र बनाए गए हैं। गतिशील लक्ष्यों से वास्तविक स्थिति जैसा अहसास होता है। प्रशिक्षकों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का एक पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इसके लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने वालों को विशेष प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे उनकी सोच मजबूत होती है। कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए और जवानों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष प्रणाली-बड्डी सिस्टम की शुरुआत की गई है। तरह-तरह की परिस्थितियों में सीआरपीएफ की कार्यक्षमताओं को बढ़ाने की दृष्टि से देशभर में विशिष्ट कौशलों के विकास के लिए स्कूल स्थापित किए गए हैं। इन्हें आधारभूत, प्रोत्साहित, विशेष तथा निर्देशात्मक प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है और इससे संबंधित कई पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों में संचालित किए जाते हैं।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस नक्सलियों के बीच नागरिक कल्याण से संबंधित कार्यक्रम चला रही है, जो बुनियादी तौर पर समाज के कमजोर वर्गों और छात्रों की सहायता के कार्यक्रम हैं। ये कार्यक्रम ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं, जहां अभी तक स्थानीय प्रशासन पहुंच ही नहीं पाया है। इस प्रकार उन क्षेत्रों में इन कार्यक्रमों ने प्रशासन और स्थानीय जनता के बीच एक पुल का काम किया है और जिला प्रशासन को स्थानीय लोगों की समस्याओं की सीधे जानकारी मिल रही है। हालांकि इस समय बल का ज्यादा ध्यान नक्सलवाद प्रभावित इलाकों में है, लेकिन जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर क्षेत्र की समस्याओं को भी नजरअंदाज नहीं किया गया है, वहां लगातार निगरानी के साथ-साथ राष्ट्र विरोधी तत्वों पर नजर रखी जा रही है।

सीआरपीएफ भारत का सबसे बड़ा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल है। सीआरपीएफ भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है। सीआरपीएफ की प्राथमिक भूमिका राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों को कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। साथ ही सीआरपीएफ देश के आंतरिक खतरों से निपटने के लिए भी कार्य करती है। सीआरपीएफ का मुख्यालय नई दिल्ली में हैं और इस बल का आदर्श वाक्य है- 'सेवा और वफादारी'।

प्रभात झा स्मृति शेषः असाधारण एवं विलक्षण प्रतिभा के धनी थे स्व. प्रभात झा

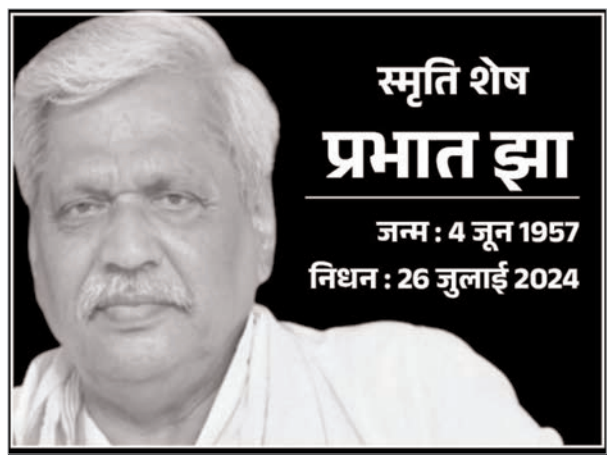

यह नवें दशक के बेहद चमकीले दिन थे। उदारीकरण और भूमंडलीकरण जिंदगी में प्रवेश कर रहे थे। दुनिया और राजनीति तेजी से बदल रहे थी। उन्हीं दिनों मैं छात्र आंदोलनों से होते हुए दुनिया बदलने की तलब से भोपाल में पत्रकारिता की पढ़ाई करने आया था। एक दिन श्री प्रभात झा जी अचानक सामने थे, बताया गया कि वे पत्रकार रहे हैं और भाजपा का मीडिया देखते हैं। इस तरह एक शानदार इंसान, दोस्तबाज,तेज हंसी हंसने वाले, बेहद खुले दिलवाले झा साहब हमारी जिंदगी में आ गए। मेरे जैसे नए-नवेले पत्रकार के लिए यह बड़ी बात थी कि जब उन्होंने कहा कि तुम स्वदेश में हो, मैं भी स्वदेश में रह चुका हूं।

सच एक पत्रकार और संवाददाता के रूप में ग्वालियर में उन्होंने जो पारी खेली वह आज भी लोगों के जेहन में हैं। एक संवाददाता कैसे जनप्रिय हो सकता है, वे इसके उदाहरण हैं। रचना,सृजन, संघर्ष और लोकसंग्रह से उन्होंने जो महापरिवार बनाया मैं भी उसका एक सदस्य था। विनम्र स्वभाव वाले प्रभात जी उत्साह, ऊर्जा और युवा पत्रकारों को प्रोत्साहित कर दुनिया के सामने ला खड़े करने वाला प्रभात जी का स्वभाव उन्हें खास बनाता था। अब उनका पर्याय नहीं है। वे अपने ढंग के अकेले राजनेता थे, जिनका पत्रकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों से लेकर पार्टी के साधारण कार्यकर्ताओं तक आत्मीय संपर्क था। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। फिर उसकी विचारधारा से जुड़े अखबार में रहे और बाद में भाजपा को समर्पित हो गये। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तक उनकी यात्रा उनका एकांगी परिचय है। वे विलक्षण संगठनकर्ता, अप्रतिम वक्ता और इन सबसे बढ़कर बेहद उदार व्यक्ति थे। उनके जीवन में कहीं जड़ता और कट्टरता नहीं थी। वे समावेशी उदार हिंदू मन का ही प्रतीक थे। उनका न होना मेरी व्यक्तिगत क्षति है। वे मेरे संरक्षक, मार्गदर्शक और सलाहकार बने रहे। उनकी प्रेरणा और प्रोत्साहन ने मेरे जैसे न जाने कितने युवाओं को प्रेरित किया। उनके निधन से समाज जीवन में जो रिक्तता बनी है, उसे भर पाना कठिन है। छात्र जीवन से ही उनका मेरे कंधे पर जो हाथ था,वह कभी हटा नहीं। भोपाल, रायपुर, बिलासपुर, मुंबई मेरी पत्रकारीय यात्रा के पड़ाव रहे,प्रभात जी हर जगह मेरे साथ रहे। वे आते और उससे पहले उनका फोन आता। उनमें दुर्लभ गुरुत्वाकर्षण था। उनके पास बैठना और उन्हें सुनने का सुख भी विरल था। किस्सों की वे खान थे। भाजपा की राजनीति और उसकी भावधारा को मैं जितना समझ पाया उसमें श्री प्रभात झा और स्व.लखीराम अग्रवाल का बड़ा योगदान है। भाजपा की अंर्तकथाएं सुनाते फिर हिदायत भी देते, ये छापने के लिए नहीं, तुम्हारी जानकारी और समझ के लिए है। मुझे नहीं पता कि प्रभात जी पत्रकारिता में ही रहते तो क्या होते? किंतु भाजपा में रहकर उन्होंने विचार के लिए जगह बनाकर प्रकाशन, लेखन और मीडिया के पक्ष को बहुत मजबूत किया।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की जमीन पर भाजपा के विचार को मीडिया और बौद्धिक वर्ग में उन्होंने लोकस्वीकृति दिलाई। वे कमल संदेश जैसे भाजपा के राष्ट्रीय मुखपत्र के वर्षों संपादक रहे। रायों में भाजपा की पत्रिकाएं और प्रकाशन ठीक निकलें , ये उनकी चिंता के मुख्य विषय थे। सभी से मेल-भाव रखने वाले राजनेता आमतौर पर राजनेता जिन बौद्धिक विषयों को अलक्षित रखते थे, प्रभात जी उन विषयों पर सजग रहते। वे उन कुछ लोगों में थे जिनका हर दल और विचारधारा से जुड़े लोगों से संवाद था। एक बार उन्होंने मुझसे कहा था अपने कार्यक्रमों में सभी को बुलाएं, तभी आनंद आता है। एक ही विचार के वक्ताओं के बीच एकालाप ही होता है, संवाद संभव नहीं। उन्होंने मेरी किताब मीडिया नया दौर नयी चुनौतियां का लोकार्पण एक भव्य समारोह में किया। जिसमें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो.बीके कुठियाला, टीवी पत्रकार और संपादक रविकांत मित्तल भी उपस्थित थे। दिल्ली के अनेक मंचों पर मुझे उनका सान्निध्य मिला। उनका साथ एक ऐसी छाया रहा, जिससे वंचित होकर उसका अहसास अब बहुत गहरा हो गया है। वे हमारे जैसे तमाम युवाओं की जिंदगी में सपने जगाने वाले नायक थे। हम छोटे शहरों, गांवों से आए लोगों को वे बड़ा आसमान दिखाकर उड़ान के लिए छोड़ देते थे। उन्होंने तमाम ऐसी प्रतिभाओं को खोजा, उन्हें संगठन में प्रवक्ता, संपादक , मंत्री, सांसद, विधायक और तमाम सांगठनिक पदों तक पहुंचने में मदद की। एक समय भाजपा के राष्ट्रीय सचिव के नाते वे बहुत ताकतवर थे। अध्यक्ष राजनाथ सिंह (अब रक्षा मंत्री) उन पर बहुत भरोसा करते थे। प्रभात जी ने इस समय का उपयोग युवाओं को जोड़ने में किया। मैं नाम गिनाकर न लेख को बोझिल बनाना चाहता हूं, न उन व्यक्तियों को धर्म संकट में डालना चाहता हूं, जो आज बहुत बड़े हो चुके हैं। भाजपा का आज स्वर्ण युग है, संसाधन, कार्यकर्ता आधार बहुत विस्तृत हो गया है। किंतु प्रभात जी बीजेपी के ओल्ड स्कूल में ही बने रहे। जहां पार्टी परिवार की तरह चलती थी और व्यक्ति से व्यक्तिगत संपर्क को महत्व दिया जाता था। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के अनेक रायों के कार्यकर्ता, पत्रकार,समाज के विविध क्षेत्रों में सक्रिय लोग उनसे बेहिचक मिलते थे। इस सबके बीच उन्होंने अपने स्वास्थ्य का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। मैंने उन्हें दीनदयाल परिसर के एक छोटे कक्ष में रहते देखा है। परिवार ग्वालियर में ,खुद भोपाल में एकाकी जीवन जीते हुए। यहां भी दरवाजे सबके लिए हर समय खुले थे, जब अध्यक्ष बने तब भी। दिनचर्या पर उनका नियंत्रण नहीं था, क्योंकि पत्रकारिता में भी कोई दिनचर्या नहीं होती। मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने जिस तरह तूफानी प्रवास किया, उसने कार्यकर्ताओं को भले खुश किया। राजपुत्रों को उनकी सक्रियता अछी नहीं लगी। वे षड्यंत्र के शिकार तो हुए ही, अपना स्वास्थ्य और बिगाड़ बैठे। उनका पिंड पत्रकार का था, किंतु वे जननेता दिखना चाहते थे। इससे उन्होंने खुद का तो नुकसान किया ही, दल में भी विरोधी खड़े किये। बावजूद इसके वे मैदान छोड़कर भागने वालों में नहीं थे। डटे रहे और अखबारों में अपनी टिप्पणियों से रोशनी बिखेरते रहे। आज जब परिवार जैसी पार्टी को कंपनी की तरह चलाने की कोशिशें हो रही हैं, तब प्रभात झा जैसे व्यक्ति की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है।

-भावभीनी श्रद्धांजलि।

भस्मआरती में बाबा महाकाल का मावे से किया श्रृंगार, मखाने की माला पहनाई, खोली गई तीसरी आंख

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज सबसे पहले वीरभद्र की आज्ञा लेकर चांदी गेट खोले गए और फिर अलसुबह 3 बजे भस्मारती की शुरुआत हुई। जिसके बाद बाबा महाकाल का विशेष पूजन अर्चन कर भस्म आरती की गई। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण कृष्ण पक्ष की सप्तमी और शनिवार के महासंयोग पर सुबह 3 बजे भस्म आरती के दौरान वीरभद्र जी से आज्ञा लेकर मंदिर के पट खुले गए। पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया।आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही की श्रृंगार में बाबा महाकाल की तीसरी आंख खुल गई, मावे से श्रृंगार से सजाकर उन्हें मखाने की माला भी पहनाई गई। पुजारियों ओर पुरोहितों द्वारा विशेष श्रृंगार कर कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट व मुंड माला धारण करवाई गई। जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

बदमाशों के हौसले बुलंद

पुलिस पर चाकू से हमला

रात्रि गश्त के दौरान फ्रीगंज में बदमाशों ने आरक्षक पर चाकू से किया हमला, आरक्षक अस्पताल में भर्ती

उज्जैन, उज्जैन में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद होते जा रहे हैं कि बीती रात गश्त पर निकले आरक्षक को तीन बदमाशों ने चाकू मारकर घायल कर दिया। घटना में आरक्षक गंभीर घायल हुआ उसे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडिशनल एसपी जयंत राठौर ने बताया कि माधव नगर थाने के कॉन्स्टेबल अजय जाटव अपने साथी आरक्षक विक्रम के साथ फ्रीगंज में रात्रि गश्त पर थे। इस दौरान वे एसएस अस्पताल की गली से निकल रहे थे कि उन्हें तीन बदमाश एक बाइक पर जाते हुए दिखे। दोनों आरक्षक ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान बदमाशों ने आरक्षक अजय को चाकू मार दिया। चाकू पेट में लगने से आरक्षक घायल हो गया। सूचना पर पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची। इसके बाद आरक्षक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की गंभीरता देखते हुए एसपी प्रदीप शर्मा ने तीनों बदमाश पर 30-30 हजार का इनाम रखा है। बदमाशों को पकड़ने के लिए साइबर सहित पुलिस की 5 टीमें लगी है।

माइंस टीम की कड़ी मशक्कत के बाद रात्रि

2 बजे कुएं से बाहर निकाले गए चारों शव

एक्सपर्ट का कहना- कुएं से 3 तरह की जहरीली गैस का रिसाव

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के एन के जे थाना क्षेत्र ग्राम जुहली में उमरिया से पहुंची माइंस टीम ने काफी मशक्कत के बाद रात दो बजे कुए से चारों शव बाहर निकाले गए। चारों शव रात में ही जिला चिकित्सालय लाये गए।माइंस एक्सपर्ट के मुताबिक कुए से जहरीली गैस का रिसाव हो रहा था। घटना के बाद से ही जुहला जुहली गांव में मातम पसरा हुआ है। एक साथ चार लाशें जब कुएं से बाहर आई तो लोगों की आंखें छलछला उठी। कुएं में जहरीली गैस के रिसाव की वजह से यह घटना हुई। शव निकालने में हाई रिस्क की वजह से जिला प्रशासन को देर रात तक सफलता नही मिली तो उमरिया से माइंस की एक्सपर्ट टीम बुलाई गई। रात में कलेक्टर दिलीप यादव और एसपी अभिजीत रंजन भी मौके पर पहुंचे। विधायक सन्दीप जायसवाल घटना के बाद से लगातार मौके पर डटे रहे। घटना उस समय हुई, जब एक व्यक्ति कुएं के अंदर मोटर लगाने के लिए उतरा था और उसे बचाने के लिए तीन अन्य लोग भी कुएं में उतरे। इस घटना में चारों लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन सहित अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए थे। कल शाम 4 से 5 बजे वर्षीय राम दुबे पहले सूखे कुए में उतरे और अचानक नीचे गिर गए । जिसे देखकर भतीजा निखिल दुबे चाचा को बचाने कुए में उतरा और वो भी गिर गया। इस घटना के बाद पास खेत में काम कर रहे एक व्यक्ति ने जब ये माजरा देखा तो समीप में निवासरत राजेश कुशवाहा उम्र 30 वर्ष को बताया तब पिंटू कुशवाहा 25 वर्ष दोनो ने मिलकर पहले तो विधुत का प्रवाह बन्द किया फिर वो भी कुए में उतरे लेकिन वो दोनों भी वही चित्त हो गए थे। ये सब देख रहे व्यक्तियो ने इसकी सूचना पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन को दी वही यह खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। उमरिया जिले से पहुंची माइंस एक्सपर्ट टीम कटनी जिले के जुहली ग्राम पहुंची और ग्राम से 3 किलो मीटर दूर कीचड़ भरे रास्ते से कटनी कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के साथ एसपी अभिजीत रंजन के साथ ट्रैक्टर के सहारे मौके पर पहुंचे और कुएं के अंदर गैस का पता लगा सुरक्षा उपकार पहन 2 घंटे तक रेस्क्यू कर एक के बाद शव को कुएं से बाहर निकाला जहा मौजूद डॉक्टर ने सभी का चैपक कर चारो को मृत घोषित कर पोस्टमार्टम ग्राम में शवों को रखवा दिया है।

गन्ना भुगतान को निर्धारित समय में न करने पर होगी कड़ी कार्रवाई : डीएम मनीष बंसल

जिलाधिकारी ने बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के संबंध में की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में जनपद की सभी चीनी मिलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गई। जनपद की कुल 08 चीनी मिलों में से केवल 03 चीनी मिलों गांगनौली, गागलहेडी एवं टोडरपुर पर पेराई सत्र 2023-24 का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान अभी भी अवशेष है।

चीनी मिल गांगनौली पर 100.97 करोड, चीनी मिल गागलहेडी पर 27.72 करोड़ एवं टोडरपुर चीनी मिल पर 20.66 करोड अभी भी किसानों का गन्ना मूल्य शेष है। चीनी मिल गांगनौली के प्रतिनिधि द्वारा उपलब्ध कराई गई कार्ययोजना के अनुसार माह अक्टूबर, 2024 से पूर्व गन्ना मूल्य का भुगतान किये जाने, चीनी मिल गागलहेडी द्वारा प्रतिमाह 03 करोड़ का भुगतान किये जाने तथा चीनी मिल टोडरपुर द्वारा एक सप्ताह के अन्दर 10 से 12 करोड़ रु. का भुगतान करने तथा अवशेष समस्त देय गन्ना मूल्य का भुगतान माह अगस्त में कराये जाने का आश्वासन दिया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा सभी चीनी मिल प्रतिनिधियों को निर्देश दिये गये कि यदि कार्ययोजना के अनुसार गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं किया जाता है तो चीनी मिल प्रबन्धतंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा चीनी मिलों का गन्ना अन्य चीनी मिलों को व्यवर्तित करने की कड़ी चेतावनी दी गई। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी, सहारनपुर सुशील कुमार सहित सभी चीनी मिलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में ग्राम पंचायत इमलाई में नेत्र एवं स्वास्थ्य हुआ संपन्न

ग्राम पंचायत इमलाई के उपसरपंच रमेश श्रीवास्तव का रहा विशेष सहयोग

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी लगातार सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहती है। संस्था का प्रमुख उद्देश्य लोगों तक समय पर स्वास्थ्य लाभ एवं गरीब निर्धन बच्चों को शिक्षा पहुंचने का है जहां एक ओर संस्था के द्वारा वृक्षारोपण, नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करती आ रही है। जिसके तहत ग्राम पंचायत इमलाई में विशाल नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र शिविर में चित्रकूट सदुरू सेवा संघ ट्रस्ट जानकी कुण्ड के सहयोग से मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया एवं निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया, जिन लोगों को ऑपरेशन की जरूरत थी उन्हें संस्था द्वारा निशुल्क वाहन व्यवस्था उपलब्ध कराई गई जो उन्हें चित्रकूट लाने ले जाने में सहयोग करेगी।वहीं जिला आयुष से डॉक्टर बृजेश कुलपारिया अपनी टीम के साथ ग्राम पंचायत इमलाई में मरीजो के इलाज के लिए उपस्थित हुए। ग्राम पंचायत इमलाई में के उपसरपंच रमेश श्रीवास्तव की मनसा अनुसार उनकी पंचायत में यह कैंप पर लगाया गया उन्होंने इस कैंप में अपनी संपूर्ण सहभागिता दिखाई। एडवोकेट रमेश श्रीवास्तव का कहना है कि इस प्रकार के शिविर हमारी पंचायत में लगातार जारी रहेंगे ताकि उनके पंचायत के ग्राम वासियों को समय-समय पर इन सभी का लाभ प्राप्त हो । उप सरपंच रमेश श्रीवास्तव के विशेष आयोग से शिविर का सफल आयोजन हो सका। परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष धीरज कुमार ,सचिव लोकेंद्र दास, कोषाध्यक्ष कीर्ति अहिरवार एवं शिविर में सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकी कुण्ड चित्रकूट से शुभम मिश्रा की टीम एवं जिला आयुष से डॉक्टर बृजेश कुलपारिया, सौरभ ,दीनू, साक्षी और ग्राम पंचायत सरपंच रामरानी दुर्गा प्रसाद,उपसरपंच रमेश श्रीवास्तव सचिव संजय राजपूत, रोजगार सहायक मुकेश पटेल एवं समस्त ग्रामवासीयो का सहयोग मिला।

डीएम एवं एसएसपी ने किया कांवड मार्ग का औचक निरीक्षण

पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बने कंट्रोल रूम को देखा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान द्वारा कांवड-यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था एवं सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिगत गागलहेड़ी, देहरादून चौक एवं पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल ने श्रद्धालुओं के आवागमन के दृष्टिगत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु सौंपे गये उत्तरदायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करें। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा उपस्थित रहे।

डीएम एवं एसएसपी ने किया अम्बाला कांवड मार्ग का निरीक्षण

सरसावा में स्थापित प्रशासनिक कन्ट्रोल रूम को देखा

प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी सौंपे गये उत्तरदायित्वों को सतर्कता से करें निर्वहन :- डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान द्वारा कांवड-यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत सरसावा और अम्बाला मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं एसएसपी रोहित सजवान ने सरसावा में बनाए गये प्रशासनिक कंट्रोल रूम एवं पुलिस सहायता केन्द्र का भी निरीक्षण कर निर्धारित ड्यूटी के अनुसार अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कांवड मार्ग पर श्रद्धालुओं के आवागमन के दृष्टिगत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निरंतर बनाई रखी जाएं। साथ ही अधिकारियों को क्षेत्र में निरंतर भ्रमण करते रहने के निर्देश दिए गये। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान ने कहा कि सम्पूर्ण कांवड मार्ग एवं शिविरों में कांवडियों की सुरक्षा के लिए सभी पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे। उन्होंने सभी पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहें। सुनिश्चित कराएं कि कांवडियों के साथ ही आमजन को भी आवागमन में असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

उमरदा, मझटोलिया एवं छतई में पॉवर प्लांट के लिए अधिग्रहीत भूमि पर शीघ्र की जाए उद्योग स्थापना- कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल

मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जायसवाल ने अडानी ग्रुप के चेयरमैन को लिखा पत्र

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने अडानी ग्रुप के चेयरमैन श्री गौतम अडानी को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि कोतमा तहसील अंतर्गत ग्राम उमरदा, मझटोलिया एवं छतई में वेलस्पन एनर्जी अनूपपुर प्राईवेट लिमिटेड द्वारा वर्ष 2010-11 में किसानों की जमीन अधिग्रहीत कर थर्मल पॉवर प्लान्ट लगाकर सभी प्रभावित किसानों को रोजगार की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए किसानों ने आशावान होकर अपनी भूमि कम्पनी को प्रदान की थी। लेकिन वर्ष 2017-18 से इस भूमि को अडानी कम्पनी ने लिया है तब से अभी तक प्लान्ट नहीं लगा है। जिससे किसान बहुत हताश हैं और इसलिए वे अपनी जमीन वापस लेना चाहते हैं। इस संबंध में मंत्री श्री जायसवाल ने श्री गौतम अडानी से अनुरोध किया है कि अधिग्रहीत भूमि पर जल्द से जल्द थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना की जाए। जिससे प्रभावित किसानों को रोजगार मिल सके और जमीन जिस उपयोग के लिए ग्रामवासियों से ली गयी थी उसका सही उपयोग हो सके यदि आप थर्मल उद्योग नहीं लगा सकते है तो अन्य कोई उद्योग जरूर लगाये जिससे ग्रामवासियों व भू-स्वामियों को रोजगार मिल सके। मंत्री श्री जायसवाल ने श्री अडानी को आश्वस्त किया है कि अधिग्रहीत भूमि पर अतिक्रमण और बाउण्ड्रीवॉल संबंधी समस्या है, उसे ग्रामवासियों से चर्चा व समन्वय कर निराकृत कराने की पहल की जाएगी, जिससे अधिग्रहीत भूमि सुरक्षित रहे। उन्होंने श्री अडानी को लिखे पत्र में उल्लेख किया है कि अगर इस जमीन पर कोई भी उद्योग नहीं लगाया गया तो ग्रामवासी अपनी जमीन वापस लेने की माँग करेंगे। उन्होंने श्री अडानी को लिखे पत्र में किसानों की अधिग्रहीत जमीन में उद्योग स्थापना के संबंध में जल्द से जल्द कार्यवाही करने की अपील की है।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण कर स्थानीय निकाय पटल से सम्पादित होने वाले कार्यों को जांचा

संबंधित अधिकारी को कार्यो को नियमानुसार करने के निर्देश दिए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल ने स्थानीय निकाय पटल से सम्पादित होने वाले कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारी को कार्यों को नियमानुसार करने के निर्देश दिए। इसके साथ शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों की भी समीक्षा की। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने समय-समय पर निकायो के कार्यों का निरीक्षण करने के आदेश अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी को दिए। इस दौरान उन्होंने फ़ाइलो के रख रखाव आदि पर संतोष जताते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

होटल की आड़ में चल रहा सट्टे का कारोबार युवा हो रहे एक का सौ के चक्कर में बर्बाद

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ अनुपपुर, अनुपपुर शहर के मुख्य चौक इंदिरा चौक में स्थापित अनमोल स्वीट जिसका संचालक हरी केसरवानी है । इस होटल में हरी द्वारा सट्टे का भी कारोबार किया जा रहा है , इंदिरा चौक एक मुख्य चौक होने के साथ ही राजनीति का भी मुख्य चौक है एवं इंदिरा चौक के पास ही अनुपपुर का मुख्य स्कूल हायर सेकेण्डरी स्कूल केंद्रीय विद्यालय भी स्थापित है , इस चौक पर हरी केसरवानी की दुकान अनमोल स्वीट है जहा ये सट्टे का करोबार कर रहा है, चाय नास्ता की दुकान होने के कारण यहां स्कूल के बच्चो का भी आना जाना है और यहां सट्टे का कारोबार होना एक बड़ी परेशानी बन सकती है कही ये सट्टे की लत स्कूल के बच्चो को लग सकती है जिसके कारण इन बच्चो का भविष्य खराब हो सकता है, अभी तो हरी केसरवानी के सट्टे के शिकार ऑटो वाले रोज ठेला लगा कर जीवन यापन करने वाले एक कुछ कुछ ही बच्चे है पर अगर कोतवाली पुलिस द्वारा हरी के इस सट्टे के कारोबार को जल्द बंद न किया गया तो पता नहीं कौन कौन इस सट्टे की लत के कारण कितनी का घर बर्बाद होगा ।। सबसे बड़ी बात तो ये है की इस सट्टे के कारोबार की जानकारी कोतवाली पुलिस को छोड़ पूरे शहर को है , जिससे कोतवाली पुलिस की कार्य प्रणाली भी संदिग्ध समझ में आ रही की क्या सच में कोतवाली पुलिस को इस होटल अनमोल में हरी के सट्टे के कारोबार की जानकारी नहीं है या पुलिस जन कर भी अनजान बन रही है । हरी केसरवानी के इस अवैध कारोबार पर कार्यवाही होना अति आवश्यक है नही तो न जाने ये है कितनो का घर एवम भविष्य बर्बाद करेगा।

कीटनाशी प्रतिष्ठान पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश

पांच प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा विगत 20 जुलाई 2024 को पाई गई अनियमितता के आधार पर न्यू अमर कृषि सेवा केन्द्र धोबी चौराहा शाजापुर पर एफआईआर दर्ज करवाने के लिए वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड शाजापुर को निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही 5 प्रतिष्ठानों जिनमें मुफद्दल खादवाला पिता अब्दे अली मेसर्स जय भारत खेती खाद भण्डार नई सडक़ शाजापुर, रामस्वरूप गोठी मेसर्स पायल फर्टिलाईजर्स बेरछा रोड़ टंकी चौराहा शाजापुर, महेश पाटीदार मेसर्स राहुल ट्रेडर्स टंकी चौराहा शाजापुर, रूपेन्द्र पाटीदार मेसर्स पटेल कृषि सेवा केन्द्र एबी रोड़ मक्सी एवं विवेक शर्मा मेसर्स संकल्प रिटेल स्टोर यूनिट ऑफ एग्रो लाईफ साईन्स कार्पो मक्सी को नोटिस जारी किए गए हैं।

शासकीय आवास का कब्जा नही छोड़ने पर तत्कालीन एएसपी को अंतिम नोटिस जारी

7 दिन का दिया गया समय, नही तो होगी बेदखली की एकपक्षीय कार्यवाही

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को आवंटित शासकीय आवास पर कब्जा होने का मामला इन दिनों पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है, वहीं उक्त शासकीय आवास पर कब्जा हटाने पर जिला प्रशासन के पसीने छुटे रहे है। मामला जिले में नवीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी की अनूपपुर में पदस्थाना के बाद से उनके नाम पर आवंटित हुई शासकीय आवास गृह क्रमांक ई-3 से कब्जा हटाये जाने को लेकर लगातार भटक रहे है, लेकिन स्थानांतरित हो चुके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार सिंह द्वारा उक्त आवास पर बीते 3 माह से अधिक समय तक कब्जा किए जाने के मामले में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ सहित एसडीएम अनूपपुर द्वारा लगातार नोटिस जारी कर उक्त आवंटित शासकीय आवास को खाली करने के निर्देश देने के साथ नोटिस भेजी गई, लेकिन हर बार नोटिस में तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार सिंह द्वारा प्रशासन को भ्रमित करते हुए हर नोटिस में अलग-अलग कारणों का बहाना बनाया जा रहा है।

प्रशासन के हर पत्राचार पर कर रहे भ्रमित

5 अप्रैल 2024 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार सिंह का स्थानांतरण पुलिस मुख्यालय भोपाल हो जाने पर संयुक्त कलेक्ट्रेट के सामने आवंटित शासकीय आवास क्रमांक ई-3 को रिक्त किए जाने हेतु लगातार नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। जिस पर तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार सिंह ने हर बार अपना अलग-अलग जवाब पेश कर जिला प्रशासन को भ्रमित किया जा रहा है। जिसमें उन्होने 14 जुलाई को उक्त आवास में उनका परिवार निवासरत होने की बात लेख की गई थी। जहां कलेक्टर के आदेश पर उक्त आवास का भौतिक सत्यापन कराया गया, जहां उक्त शासकीय आवास में ताला लगे होना पाया गया। जिसके बाद दूसरे पत्राचार के दौरान तत्कालीन एएसपी ने फिर से उक्त शासकीय आवास को रिक्त करने हेतु पुन: 15 दिवस का अवसर चाहा गया, तथा जवाब में उल्लेख किया गया कि आवास एवं आवकाश मिलने के बाद ही वे आवास खाली करेंगे।

आवास खाली करने अंतिम नोटिस जारी, 7 दिवस का दिया गया समय

तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार सिंह ने अपने तबादले के 3 माह से अधिक समय पर शासकीय आवास पर कब्जा बनाये रखने के कारण नवीन पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनेकों समस्याओं का सामना कर रहे है। जहां एसडीएम अनूपपुर दीपशिखा भगत ने 25 जुलाई को तत्कालीन एएसपी के नाम से अंतिम नोटिस जारी उन्हे 7 दिवस का अंतिम समय दिया गया है। जहां पत्र क्रमांक 717 के माध्यम से एसडीएम ने लेख किया है कि 3 माह से अधिक समय बीत जाने के उपरांत भी आवास को खाली करने हेतु समय चाहा गया, जो अनुचित है। जिस पर एसडीएम अनूपपुर ने तत्कालीन एएसपी को अंतिम नोटिस जारी कर 7 दिन के अंदर उक्त आवास को खाली करने के निर्देश दिए गए है। अन्यथा लोक परिसर बेदखली अधिनियम में वर्णित प्रावधानों के तहत एक पक्षीय कार्यवाही करने का लेख कर समस्त जवाबदारी उनके स्वयं की होने की बात कही गई है।

कब्जा नही छोडने फैली अनेक अफवाहे

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय में जनचर्चा है कि तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार सिंह अपने दोबारा अनूपपुर जिले में अपनी पदस्थापना कराने के लिए जुगाड़ लगाने बैठे हुए है, जहां उक्त शासकीय आवास को खाली नही किया जा रहा है। जबकि शासकीय आवास को खाली नही किए जाने के कारण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी लंबे समय से अपने परिवार के साथ मजबूरन अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के उच्च विश्राम गृह में निवास करना पड़ रहा है इसके साथ उन्हे प्रतिदिन 8 किमी दूर का सफर कर पुलिस अधीक्षक कार्यालय अनूपपुर पहुंच कर अपने दायित्वों का निर्वहन करना पड़ रहा है। वहीं अमरकंटक ताप विद्युत ग्रह के मुख्य अभियंता एम.एल. पटेल ने लंबे समय से उच्च विश्राम गृह चचाई के कक्ष को अधिग्रहित किए जाने के कारण एएसपी इसरार मन्सूरी को दो बार नोटिस जारी करते हुए कक्ष खाली करने का नोटिस जारी कर दिया गया है, जिसके कारण उनका परिवार परेशान है।

इनका कहना है तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को अंतिम नोटिस के साथ ही अंतिम 7 दिन का समय दिया गया है, अगर 7 दिवस के अंदर उक्त शासकीय आवास को खाली नही करने की दशा में बेदखली की कार्यवाही की जाएगी।

***अमन वैष्णव, प्रभारी कलेक्टर अनूपपुर**

शाजापुर में मनाई गयी कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती

शहीदों को किया गया याद

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, कारगिल विजय दिवस पर उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में कार्र्यक्रम आयोजित कर वीर जवानों के शौर्य पर प्रकाश डाला गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों की वीरता से मिली जीत के बारे में बताया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि 26 जुलाई 1999 को किस तरह कारगिल युद्ध में बलिदान देकर मातृभूमि की रक्षा की और पाकिस्तानी सेना के छक्के छुड़ा दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं एनसीसी कैडेट्स मौजूद थे।

यहां भी दी शहीदों को श्रद्धांजलि: प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन कॉलेज शाजापुर में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पर एनसीसी कैडेट्स सुशीला गामी द्वारा कविता पाठ एवं शगुन शर्मा द्वारा देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए गए । वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीएस विभूति ने कहा कि जिस प्रकार हमारे सैनिक कर्तव्य का पालन करते हैं, उसी प्रकार देश के प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए, यही सबसे बड़ा राष्ट्र धर्म है। रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अरूण कुमार बोडाने ने कहा कि न केवल एक दिन बल्कि हर समय सैनिकों के बलिदान को याद रखना चाहिए। एनसीसी कैडेट्स एवं महाविद्यालय स्टॉफ के द्वारा कैंडल जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धाजंलि दी गई। अंत में राष्ट्रगान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स एवं महाविद्यालय का स्टॉफ उपस्थित था।

शाजापुर में हुआ सड़क हादसा, कार की टक्कर से युवक घायल

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, तेज रफ्तार कार की टक्कर से सब्जी बेचने वाला युवक घायल हो गया और उसके ठेले के परखच्चे उड़ गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशिक पिता जुम्मा खां निवासी आदर्श कालोनी ठेले से फैरी लगाकर सब्जी बेचने का काम करता है। गुरुवार रात करीब दस बजे आशिक फैरी लगाने के बाद अपने घर लौट रहा था, तभी ट्राफिक पाइंट बस स्टैंड के समीप सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने ठेले को सामने से टक्कर मार दी। घटना में ठेला मौके पर टूटकर बिखर गया, जबकि आशिक घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

भारतीय किसान संघ ने एक दिन में लगाए 6 हजार पौधे

पौधा रोपण के दौरान जिला महिला संयोजिका हेमलता नागर आदि मौजूद थे

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने जिले के अलग-अलग गांवों में एक ही दिन में छह हजार पौधों का रोपण किया। साथ ही 450 गांवों में एक लाख पौधे रोपने का संकल्प भी लिया। तहसील मंत्री ज्ञानसिंह गुर्जर ने बताया कि शुक्रवार को शाजापुर जिले में 6 हजार पौधों का रोपण किया गया, जिसके तहत शाजापुर तहसील इकाई समिति के द्वारा ग्राम आला उमरोद में 400, सेतखेड़ी में 350, लाहौरी में 550, लड़ावद में 445, देंदला में 400, रंथभंवर में 55, सुनेरा में 50, खोरिया में 300, बेरछा सहित अन्य गांवों में नीम, आम, जामुन के फलदार, छायादार पौधों का रोपण किया। गुर्जर ने बताया कि भारतीय किसान संघ 1 अगस्त से 15 अगस्त तक 15 हजार पौधे लगाएगा। पौधा रोपण के दौरान जिला महिला संयोजिका हेमलता नागर आदि मौजूद थे।

पंचायत प्रतिनिधि किसी एक गांव को आदर्श गांव बनाने की जिम्मेदारी लें : प्रहलाद पटेल

शहरों से लगी पंचायतों के मुददों पर होगी चर्चा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने सभी स्तरों की पंचायतों के पदाधिकारियों का आव्हान किया है कि वे अपनी पसंद के किसी एक गांव को आदर्श गांव बनाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों और विभिन्न योजनाओं में आपसी समन्वय के साथ एक मॉडल विलेज बनाएं। उन्होने कहा कि अपने सपनों का गांव बनाने की शुरूआत करें। मंत्री पटेल आज यहां आत्मनिर्भर पंचायत- समृद्ध मध्यप्रदेश विषय पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और जर्मन संस्था जीआईजेड द्वारा आयोजित कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। प्रहलाद पटेल ने कहा कि जो पंचायतें शहरों से से लगी हैं उनकी अपनी समस्याएं और मुददे होते हैं। वे अर्ध-शहरी कहलाती हैं। ऐसी 1200 पंचायतें हैं। इनके अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, सदस्यों और अधिकारियों के साथ भी जल्दी ही चर्चा की जाएगी। इसी प्रकार पेसा पंचायतों और वन संरक्षित क्षेत्रों के समीप स्थित पंचायतों की स्थिति सामान्य पंचायतों से भिन्न है। उनके मुददों पर भी चर्चा की जाएगी। मंत्री पटेल ने कहा जिन पंचायतों की जनसंख्या 5000 से ज्यादा है वहां दो सामुदायिक भवन बनाये जायेंगे। उन्होने पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे उचित निर्माण स्थल का चयन करने की कार्रवाई शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि जिला पंचायतों के पदाधिकारी जनपद पंचायतों की बैठकों में परामर्शदाता की भूमिका निभा सकते हैं लेकिन निर्णय प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करें। पंचायत मंत्री ने कहा कि सभी पंचायतों के पदाधिकारी बैठकों के नियम की जानकारी रखें। इससे टकराव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पंचायतों में की जा रही विकास की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखें ताकि समय पर उनमें सुधार हो सके। मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यक्ति होते हैं और उन्हें पूरी मेहनत से अपनी जिम्मेदारी निभाना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायतों की सामान्य सभा की बैठकें कैबिनेट की बैठक के समान होती हैं। इसको पूरी गंभीरता से लें। जहां बैठकें नहीं हुई है वहां पर निश्चित अंतराल में इन बैठकों का आयोजन करें । यह सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायतों में उपलब्ध धनराशि चुने हुए पंचायत प्रतिनिधियों की सहमति से ही खर्च होगी। उन्होने पंचायत पदाधिकारियों का आव्हान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनकी पंचायतों में हुए विकास कार्यों का उपयोगिता प्रमाणपत्र तत्काल प्रस्तुत कर दिया जाये। हमेशा व्यवस्थाओं में सुधार लाने के दृष्टिकोण के साथ ही काम करें। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में दिए गए सभी सुझावों पर विचार होगा और उपयुक्त निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनुशासन का पालन करना आवश्यक है। कई केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पंचायतों की सजगता से मध्य प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर नाम हुआ है।

धौलपुर जिले के बसेड़ी आयुर्वेदिक औषधालय का एसडीएम ने करा निरीक्षण जताई गंभीर चिंता

चिकित्सक और कर्मचारी नदारद, एसडीएम जताई गंभीर चिंता

कुलदीप परमार । सिटी चीफ धौलपुर, राजस्थान के धौलपुर जिले के उपखंड बसेड़ी राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय भारली एसडीएम दिनेश शर्मा ने किया निरीक्षण चिकित्सक शिवकांत शर्मा कंपाउंड परिचारक तीनों मिले गायब चिकित्सक डेली रिपोर्ट भेजते हैं घर से कई बार मिला है चिकित्सालय बंद चिकित्सक उपनिदेश क की मिली भगत से हर बार जांच में की जाती है लीपा पोती गुलाब सिंह मीणा करते हैं जांच लेदेकर कर देते हैं रफा दफा बंद चिकित्सक जाता है महीने में चार बार उच्च अधिकारियों से की गई है जांच की मांग।

कोतवाली पुलिस ने गुना जिले के रहने वाले स्मैक तस्कर को किया गिरफ्तार

7 लाख रुपये की 35 ग्राम स्मैक की बरामद

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी शहर की कोतवाली पुलिस की स्मैक तस्करों पर लगातार ताबड़तोड़ कार्यवाही जारी है। कोतवाली पुलिस ने गुना जिले के कुंभराज के रहने वाले स्मैक तस्कर को 7 लाख रुपये की 35 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है । जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी रोहित दुबे ने मुखबिर की सूचना पर ग्वालियर बायपास अंतर्गत कठमई तिराहे पर मोहना की तरफ से आ रहे बाइक सवार को रोककर पूछताछ की तो आरोपी ने अपना नाम राजमल मीणा निवासी कुंभराज बताया जिसकी तलाशी ली तो आरोपी के कब्जे से 7 लाख रुपये कीमत की 35 ग्राम स्मैक बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने ली अपराध समीक्षा बैठक

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में करा गया वृक्षारोपण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने शाजापुर पहुंचकर कानून व्यवस्था को लेकर बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। शुक्रवार को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक योगेश देशमुख द्वारा अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी गोपाल चौहान आदि मौजूद थे। बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक देशमुख द्वारा जिले के सभी थानों की कानून व्यवस्था, अपराध समीक्षा बैठक, थाना क्षेत्रों में गौवंश के अवैध परिवहन एवं उनके वध, ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी कैमरें लगवाने, खुले में मांस विक्रय को लेकर, लाउडस्पीकर प्रतिबंध संबधित एवं अधिक से अधिक वृक्षारोपण किए जाने को लेकर निर्देश दिए। साथ ही जिले से पुलिस मुख्यालय को भेजे गए निर्माण योजना संबधी तथा अन्य कार्यों के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। उन्होने कहा कि थाना स्तर पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाए एवं अनावश्यक आमजनों की शिकायतों को लंबित न रखा जाए। पीड़ित व्यक्तियों की शिकायत प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण करें। बैठक के बाद अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर इसके महत्व के बारे में बताया गया।

भाजपा भूतपूर्व मंडल अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता एवं युवा व्यवसाई तूफान गुप्ता को भ्राता शोक

हृदयाघात के चलते हुआ देवलोक गमन,आज किया जाएगा अंतिम संस्कार

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, नगर मुख्यालय से सटे ग्राम अमोली निवासी भारतीय जनता पार्टी मंडल लालबर्रा के भूतपूर्व मंडल अध्यक्ष एवं यात्री बस व्यवसाई,भूतपूर्व भाजयुमो मंडल उपाध्यक्ष तूफान गुप्ता के बड़े भाई थोक पान व्यवसाई बसंत प्रसाद गुप्ता हृदयाघात के चलते 63 वर्ष की आयु में देवलोक गमन कर गए।प्राप्त जनकारी के अनुसार स्वर्गीय गुप्ता को 26 जुलाई के प्रात:काल में हृदय में असहनीय पीड़ा होने पर परिजनों द्वारा उन्हें बेहतर इलाज़ हेतु जिला मुख्यालय के निजी चिकित्सालय में ले जाया गया था,चिकित्सालय पहुंचते ही 26 जुलाई की दोपहर 2.20 बजे हृदयाघात के चलते आकस्मिक निधन हो गया।क्षेत्र के संभ्रांत परिवार से आने वाले स्वर्गीय गुप्ता के देवलोक गमन की ख़बर फैलते ही ग्राम सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और श्री गुप्ता के अंतिम दर्शन करने हेतु क्षेत्रीय व्यवसाइयों एवं ग्रामीणजनों का उनके अमोली स्थित निज निवास पर तांता लग गया।ज्ञात हो की श्री गुप्ता सामाजिक,धार्मिक कार्यों में आगे बढ़कर हिस्सा लेने के साथ ही समय-समय पर युवाओं को सामाजिक एवं व्यवसायिता के क्षेत्र में मार्गदर्शन देते रहते थे। सरल,सहज,हँसमुख एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी श्री अवधिया अपने पीछे पांच भाई,दो बहन,भतीजों एवं नाती-पोतों सहित भरापूरा छोड़कर चले गए। विदित हो कि स्वर्गीय बसंत प्रसाद गुप्ता जी की शव यात्रा आज 27 जुलाई की प्रात: 11 बजे अमोली स्थित उनके निज निवास से निकलकर अंतिम संस्कार ग्राम अमोली के स्थानिय मोक्षधाम में किया जाएगा।श्री गुप्ता के असामयि देवलोक गमन पर ग्राम अमोली के प्रबुद्धजनो, लालबर्रा नगर मुख्यालय के व्यवसाइयों सहित अन्य क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों ने परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर अपने श्री चरणों के सन्निकट स्थान देने एवं शोक संतप्त परिवार को इस दुखद घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

महावीर इंटरनेशनल शाखा लालबर्रा व बालाघाट के द्वारा नि:शुल्क आँखों की जाँच

दवाई व चश्मा का किया गया वितरण

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पांढ़रवानी गार्डन रोड़ में निजी क्लीनिक में 26 जुलाई दिन शुक्रवार को 10 बजे से महावीर इंटरनेशनल शाखा लालबर्रा व बालाघाट द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच चश्मा वितरण शिविर का सफल आयोजन किया गया यह आयोजन स्व. फौजमल जी बोथरा एवं स्व. गौरव देवी बोथरा जी कि स्मृति में यह शिवीर का आयोजन किया गया जिसमें डॉ श्रेयांश शर्मा नेत्र सर्जन, सरपंच अनीश खांन जी,वीर डॉ विवेक कारें,वीर नितिन शाखला,वीर अशोक जैन, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, बालाघाट से सलीम खान,केंम्प प्रभारी राजेन्द्र यादव संयुक्त रुप से उपस्थित हुए। वहीं उक्त आयोजित शिविर में आस-पास ग्रामीण अंचलों से मरीज पहुंचे, तथा ओ पी डी में 158 मरीजों की नेत्र जांच की गई। कुल 87मरीजों को चश्मा एवं दवाइयों का भी वितरण किया गाया,मोतिया बिंद के 30मरीज निकले ।सभी मरीजों को दवा एवम आई ड्रॉप प्रदान किया गया है।

सिटी चीफ हिंदी अखबार में प्रकाशित खबर का हुआ असर

महिका टीवीएस एजेंसी मे ग्राहकों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार मे हुआ सुधार

एजेंसी के संचालक ने पीड़ित पक्ष से मुलाकात कर भरपाई के साथ किया समाधान

श्री निवास मिश्रा > सिटी चीफ मैहर, मैहर जिले में संचालित माहिका टीवीएस एजेंसी में ग्राहक के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर हमारे मैहर पत्रकार ने पीड़ित के साथ हुई घटना को लेकर खबर प्रकाशित किया जिससे माहिका टी वी एस एजेंसी के संचालक हर्षित अग्रवाल ने तत्काल में अपने स्टाफ की मीटिंग बुलाकर ग्राहकों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को संज्ञान में लेकर दंडनात्मक कार्यवाही करने का जो निर्णय लिया वह अति सराहनीय है।

उन्होंने पीड़ित पक्ष से तत्काल में संपर्क कर हुई घटना का अफशोष व्यक्त कर क्षमा याचना के साथ समाधान कर पीड़ित को संतुष्ट करते हुए आगे आने वाले समय में अब दोबारा किसी प्रकार का दुर्व्यवहार होने पर मेरा कोई भी ग्राहक तत्काल में मुझे या मेरे संपर्क नंबर 8770663951 में तत्काल अवगत कराए जिससे मैं यथा उचित कार्यवाही कर ग्राहक को एजेंसी से मिलने वाली सुविधा का लाभ ईमानदारी से समय पर दे सकू। क्योंकि एजेंसी मेरा मंदिर और ग्राहक मेरा देवता है। माहिका टीवीएस एजेंसी के संचालक हर्षित अग्रवाल ने मीडिया के माध्यम से बताया कि मेरे कर्मचारियों द्वारा ग्राहक के साथ जो भी दुर्व्यवहार किया गया वह निंदनीय है। जिसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं, और मैहर क्षेत्र से जुड़े मेरे देवता तुल्य सभी ग्राहकों से भविष्य में ऐसी गलती न दोहराए जाने का आश्वासन दिया।

वार्ड क्रमांक 1 के पूर्व पार्षद द्वारा किए गए थे अनेकों काम जिसके दम पर बन बैठे गीता संतोष सोनी मैहर वार्ड क्रमांक 01के पार्षद से नगर पालिका अध्यक्ष

कहां किये गये मैहर नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी के वादे पूरे

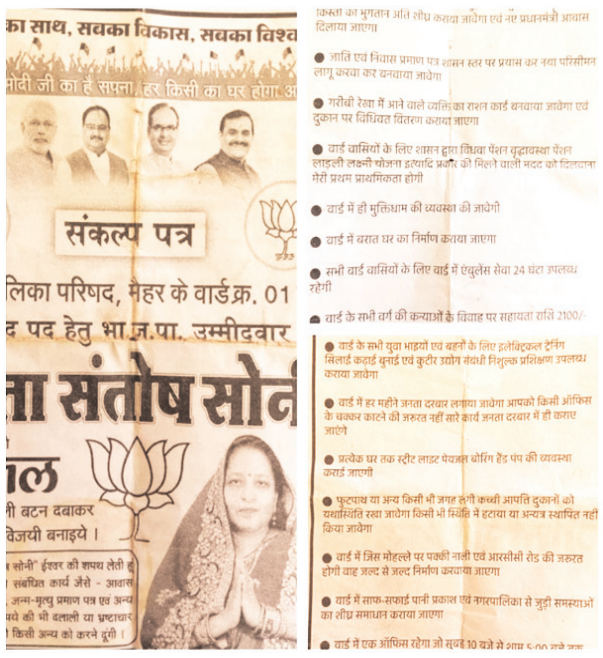

श्री निवास मिश्रा सिटी चीफ मैहर, जी हम बात कर रहे हैं मैंहर नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी द्वारा वार्ड क्रमांक 1 से चुनाव लड़ा चुनाव जीत भी गई बाकी व्यवस्थाएं जस की तस है इन्होंने एक घोषणा पत्र वार्ड क्रमांक एक में जारी किया था कि हम मूलभूत सुविधाएं एवं अन्य बातों को अमल लाते हुए इसको हम पूरा करेंगे आज़ तक इसमें कोई अमल नहीं किया गया जो कि यह सरासर वार्ड क्रमांक एक निवासियों के साथ में एक प्रकार से धोखा हैं सोचा लोगों को याद दिला दूं सभी वार्ड वासियों से किया हुआ वादा ,मैहर नगर पालिका वार्ड क्रमांक 01 के पार्षद पैसे के दम पर बन बैठे नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी के द्वारा किए गए सभी वादे 99 त्रअभी तक अधूरे पड़े हुए हैं?, जब से मैहर नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे गीता संतोष सोनी मैहर जिला तो बना लेकिन मैहर 10 साल पीछे चला गया, आज मैहर शहर में सिर्फ और सिर्फ गंदगी और कीचड़ और अव्यवस्थाओं का भंडार भरा हुआ है

वार्ड के सभी युवा भाई बहनों के लिए इलेक्ट्रिकल ट्रेनिंग सिलाई कढ़ाई बुनाई एवं कुटीर उद्योग संबंधित निशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, वार्ड में हर महीने जनता दरबार लगाया जाएगा आपको किसी ऑफिस के चक्कर काटने की जरूरत नहीं सारे कार्य जनता दरबार में ही कराए जाएंगे, प्रत्येक घर तक स्टील लाइट यह जल बोरिंग हैंड पंप की व्यवस्था कराई जाएगी, फुटपाथ या अन्य किसी भी जगह पर लगी आपत्ति दुकानों को यथास्थिति रखा जावेगा किसी भी स्थिति हटाया या जगह स्थापित नहीं किया जाएगा, वार्ड में जिस किसी भी जगह पर आरसीसी रोड नाली बिजली के खभों की जरूरत होगी वह जल्द से जल्द पूर्ण की जाएगी, वार्ड में साफ सफाई पानी प्रकाश एवं नगर पालिका से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा, वार्ड में एक ऑफिस रहेगा जो आपकी सेवा में सुबह 10:00 बजे से शाम को 5:00 बजे तक प्रतिदिन खुला रहेगा इसमें नगर पालिका से संबंधित सभी समस्याओं का घर-घर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी,

नगर पालिका द्वारा पार्षद वेतन भत्ता मुझे मिलेगी वह मेरे द्वारा वार्ड के विकास कार्यों में खर्च किया जाएगा, प्रधानमंत्री आवास योजना की रुकी हुई प्रथम द्वितीय एवं तृतीय किस्त भुगतान अतिशीघ्र कराया जावेगा एवं नए प्रधानमंत्री आवास योजना दिलाया जाएगा, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र शासन स्तर पर प्रयास कर नया परिसीमन लागू करवा कर बनवाया जावेगा जिससे आने वाले बच्चों के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ ना किया जा सके, गरीबी रेखा मैं आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का राशन कार्ड बनवाया जावेगा एवं दुकान पर विघिवत विवरण कराया जाएगा, वार्ड में ही मुक्ति धाम की व्यवस्था कराई जाएगी, वार्ड में बारात घर का निर्माण कराया जाएगा, सभी वार्ड वासियों के लिए वार्ड में एंबुलेंस सेवा 24 घंटा उपलब्ध रहेगी, वार्ड के सभी वर्ग की कन्याओं के विवाह पर सहायता राशि 21 हजार रुपए यह समान की व्यवस्था दी जाएगी, वार्ड के सभी छात्र छात्राओं को 10 एवं 12वीं में 85 अंक लाने पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, क्या मैहर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी जी द्वारा अपने किए हुए किसी भी वादे पर खड़ा उतरी या सिर्फ झूठे वादे करके उन्होंने मैहर वार्ड क्रमांक एक पार्षद से लेकर नगर पालिका अध्यक्ष तक का सफर तय किया।

भाजपा जिला कार्यालय मैहर में मनाया गया कारगिल विजय दिवस, सैनिकों का हुआ सम्मान

मुख्य रूप से मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, महामंत्री विश्वनाथ तिवारी एवं मंडल के पद अधिकारी गण उपस्थित रहे

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, आज भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय मैहर में 25 वे कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सैनिक संदीप तिवारी , पूर्व सैनिक पुरनसिंह लोधी का शाल श्रीफल के साथ सम्मान किया गया इसके बाद मां भारतीय के रक्षा में अपना सर्वस्व बलिदान देने वाले भारतीय सेना के जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए ,मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री प्रभात झा जी के दुखद निधन हो जाने पर जिला कार्यालय में 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से उनके परिवारजन को इस दुख से उबरने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किए, कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी , महामंत्री विश्वनाथ तिवारी ,जिला मंत्री कुलदीप तिवारी सहित समस्त भारतीय जनता पार्टी जिले के एवं मंडल के पद अधिकारी गण उपस्थित रहे।

संक्रमण हद से ज्यादा फैल को इसकी जिम्मेदारी जिनके ऊपर सफाई का प्रभार है उनकी ही तय होनी चाहिये

सड़कों पर घूम रहे आवारा गोवंश को लेकर श्री राम सेना ने सौंपा ज्ञापन

पांच दिवस के अंदर ऐसा नहीं किया गया तो श्री राम सेना के द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा : राम सेना

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, नगर में घूम रहे गोवंश को लेकर आज मैहर श्री राम सेना ने नगर पालिका अध्यक्ष पति संतोष सोनी को ज्ञापन सौंपा है जिसमें श्री राम सेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा कहां गया की सड़कों पर घूम रहे हैं गोवंश के कारण आए दिन वाहनों से टकराकर दुर्घटनाएं हो रही है एवं गाड़ियों से टकराकर हर दिन कई गोवंश घायल हो रहे है और मर रहे हैं जिसको लेकर श्री राम सेना के द्वारा ज्ञापन देते हुए अध्यक्ष पति से घूम रहे आवारा पशुओं को गौशाला में पहुचाए जाने की बात कही गई और श्री राम सेना द्वारा कहा गया कि यदि पांच दिवस के अंदर ऐसा नहीं किया गया तो श्री राम सेना के द्वारा इस विषय को लेकर उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसमें मुख्य रूप से श्री राम सेना प्रांत मंत्री शिवम सिब्बू पांडे पंकज गुप्ता सत्यम पयासी सागर साकेत विपिन कुशवाहा शिवा साकेत सचिन विश्वकर्मा एवं श्री राम सेना के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण मौजूद रहे.

सिविल अस्पताल में स्वच्छता की कमी के चलते स्वास्थ्य लाभ की जगह मरीज हो रहे हैं संक्रमित

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, कथनी और करनी का अन्तर अगर देखना हो तो मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार से अच्छा उदाहरण कई देखने को नहीं मिलता उक्त आरोप युवक कांग्रेस प्रदेश सचिव शिवम पाण्डेय द्वारा सिविल अस्पताल के वर्तमान हालातो पर लगायें है । श्री पाण्डेय ने बताया कि स्वच्छता महा अभियान के नाम पर प्रदेश सरकार ने बडे बडे दावों की पोल खोलते है सिविल हॉस्पिटल की वर्तमान स्थिति जिसे देखने के बाद ऐसा लगता है कि मरीज अगर यहा रह कर इलाज करा लिया तो जो बिमारी ले कर यहां आया है उसके साथ वह यहा से भारी संक्रमण की अन्य बिमारियों को और लेकर यहां से जाएगा । सिविल अस्पताल के प्रवेश द्वार पर ही सिविल अस्पताल में स्वच्छता की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं की अनदेखी से मरीजों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। अस्पताल के प्रवेश द्वार पर ही जल समतल जगह पर भराव होने से मच्छरों और अन्य कीड़ों का जन्म हो रहा है, जो मरीजों को बीमारियां परोस रहे हैं। यही हाल अस्पताल बिल्डिंग में जांच रिपोर्ट लेने जाते वक्त चौथी मंजिल में भी नजर आएगा जहां पर कचरा एवं जालो का अंबार लगा हुआ है ।

सरकार द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन अस्पताल में सफाई की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं की अनदेखी ने आम नागरिक को न्यूनतम स्वास्थ्य सुविधाएं देने में भी अब असमर्थ नजर आ रहा है। अस्पताल प्रशासन को इस मामले में कोई दिलचस्पी नहीं है सफाई संबंधी जिनकी जिम्मेदारियां हैं वह सिर्फ शासन की अमूल नीति पर अपनी पकड मजबूत बनाते हैं स्वच्छता के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए उस पर कोई ध्यान केन्द्रित करना पसंद नहीं कर रहा स्वछता सिर्फ अब दीवाल पेंटिंग के काम आती है जहां एक से एक स्वच्छता संबंधी अनुदेश प्रकाशित किए गए हैं यथार्थ में कहीं कुछ नहीं हो रहा है । मरीजों को स्वस्थ होने के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना अस्पताल की जिम्मेदारी है। इस संबंध में शिवम पाण्डेय ने मांग कि है कि इस समस्या को दूर करने के लिए सेनिटेशन अधिकारी की मौजूदगी में सफाई मुलाजिम लगातार काम करना चाहिए। बारिश के दिनों में उलटी, दस्त, हैजा, वायरल, पीलिया और अन्य पेट के रोग हो रहे हैं ।

अनूपपुर के बलिया बड़ी में खंडहर स्कूल मे पढ़ने को मजबूर नौनिहाल

विद्यालय की जर्जर हालत बच्चो के लिए खतरे की घंटी, जिम्मेदार मौन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, अनूपपुर जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के नाम पर छोटे बच्चों के भविष्य और जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अनूपपुर विकास खंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलियाबड़ी में एक शाला एक परिसर अंतर्गत संचालित प्राथमिक विद्यालय की हालत खस्ता हो चुकी है।स्कूल किसी भी वक्त धराशाई हो सकता है।स्कूल भवन के नाम पर खंडहर भवन की छत सड़ चुकी है और कालम झुक रहे है और स्कूल की पूरी दीवारों में शीलन आ चुकी है आलम यह है कि जिले में लगातार कुछ दिनों से हो रही बारिश का बारिश का पानी स्कूल के अंदर भर जाने से पूरा फर्श कीचड़ पानी युक्त होने के बावजूद छोटे बच्चों को मजबूरन उसमें बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है,वही हाथ लगाने मात्र से छत का मलबा ढह रहा है,बावजूद इसके जर्जर हो चुके भवन में ही स्कूल का संचालन किया जा रहा है स्कूल चलें हमज्सब पढ़ें-सब बढ़ें और सर्व शिक्षा अभियान जैसे तमाम सरकारी दावों की पोल खोलती तस्वीर प्राथमिक शाला बेलियाबड़ी की जहां इलाके के गरीब आदिवासी नन्हे-मुन्ने छात्र छात्राएं जर्जर हो चुके छत के नीचे दहशत के साए में पढ़ने को मजबूर हैं।कहने को तो स्कूल में कमरे हैं,लेकिन उन कमरों की हालत बाहर बरामदे से भी खराब है,जहां पहली से लेकर पांचवी क्लास के बच्चों को बैठाकर पढ़ाया जाता है। स्कूल में पदस्थ शिक्षको का कहना हैं कि स्कूल भवन की दुर्दशा को लेकर वे कई सालों से लगातार शिक्षा विभाग के अधिकारीयों को पत्राचार कर रहे हैं। लेकिन अब तक कोई भी जिम्मेदार अधिकारी ने उनकी सुध नहीं ली है। शिक्षक का यह भी कहना है कि स्कूल भवन किसी भी वक्त धराशाई हो सकता है। वहीं,अभिभावकों का कहना है कि जब तक उनके बच्चे स्कूल से लौटकर वापस घर नहीं पहुंच जाते तब तक डर बना रहता है।लेकिन गांव के आसपास कोई दूसरा स्कूल नहीं होने की वजह से न चाहते हुए भी वे अपने बच्चों को खंडहर हो चुके स्कूल में पढ़ने को भेज देते हैं

इनका कहना है

मैं बीआरसी वालों को बोल कर दिखवा लेता हूं

- महेंद्र यादव, जिला परियोजना समन्वयक अनूपपुर

इस संबंध में हमने अपने उच्च अधिकारियों को कई बार अवगत कराया है लेकिन अभी तक कोई भी पहल नहीं की गई है- **कमलाकांत, शिक्षक,प्राथमिक पाठशाला बेलियाबड़ी**

कुपोषण दूर करने के लिए चलाई जा रही कई योजनाओं से नहीं सुधरे हालात, केंद्र सरकार ने लोकसभा में पेश किए आंकड़े

कम वजन वाले बच्चे सबसे ज्यादा...

बौनेपन का प्रतिशत उत्तरप्रदेश में सबसे ज्यादा, लक्षद्वीप के बच्चों में कुपोषण सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बच्चों में सबसे अधिक बौनेपन का प्रतिशत उत्तरप्रदेश में निकला है, जो कि 46.36 प्रतिशत है। वहीं कम वजन वाले बच्चे मध्यप्रदेश में सबसे अधिक है। मप्र में 26.21 प्रतिशत बच्चे कम वजन वाले दर्ज किए गए। वहीं लक्षद्वीप के बच्चों में बच्चों में कुपोषण का प्रतिशत सबसे अधिक है, 13.22 प्रतिशत बच्चे गंभीर रूप से कुषोषित हैं। यही नहीं 0-5 वर्ष आयु वर्ग के 17 प्रतिशत बच्चे कम वजन के पाए गए, वहीं बौनेपन का प्रतिशत 36 प्रतिशत और कमजोरी का प्रतिशत 6 प्रतिशत रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने शुक्रवार को लोकसभा में प्रश्नकाल में जून 2024 के महीने के देश के पोषण ट्रैकर के आंकड़े प्रस्तुत किए। इन आंकड़ों के अनुसार 6 साल से कम आयु के बच्चों बौनेपन की प्रवत्ति बढ़ रही है। लगभग 8.57 करोड़ बच्चों को पोषण ट्रैकर के जरिए ट्रैक किया गया। जिसमें सामने आया कि 35 प्रतिशत बच्चे बौने हैं। वहीं 17 प्रतिशत बच्चों का वजन कम मापा गया। वहीं 5 वर्ष से कम आयु के 6 प्रतिशत बच्चे कमजोर पाए गए। वहीं 0-5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 17 प्रतिशत बच्चे कम वजन के हैं, जबकि 36 प्रतिशत बौने हैं और 6 प्रतिशत कमजोर हैं।

कुछ राज्यों का बेहतर प्रदर्शन

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि कुछ राज्य अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करते हैं। गोवा में सबसे कम स्टंटिंग दर 5.84 प्रतिशत, वेस्टिंग 0.85 प्रतिशत और कम वजन वाले बच्चे 2.18 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। वहीं सिक्किम और लद्दाख में भी तुलनात्मक रूप से कम कुपोषण दर दिखी। केंद्र सरकार द्वारा संचालित पोषण ट्रैकर की जून 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक मध्यप्रदेश की 97 हजार 135 आंगनबाड़ी में 6 साल तक के पंजीकृत 65 लाख 99 हजार बच्चों में से करीब 40न यानी 26 लाख बच्चे बौने या मध्यम बौने कैटेगरी में हैं। वहीं 27 फीसदी बच्चे (करीब 17 लाख) कम वजन वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मध्यप्रदेश में कम वजन वाले बच्चों की संख्या में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। जो संख्या मई में 24 फीसदी थी, वो जून में 27 फीसदी हो गई है। इसके चलते मप्र 35वें नंबर पर आ गया है और मप्र से नीचे सिर्फ चंडीगढ़ ही है, जहां 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ ने दो फीसदी का सुधार किया है, जो दूसरे नंबर पर है। इस मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग के अफसरों का कहना है कि बीते तीन माह से डेटा को ट्रैक कर रहे हैं और जिस जिले में स्थिति गंभीर है। वहां संसाधन बढ़ाए जा रहे हैं।

प्रदेश में बौनेपन की दर 41.61 प्रतिशत

लोकसभा में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राज्यवार आंकड़े प्रस्तुत किए। इन आंकड़ों के अनुसार उत्तरप्रदेश में बौनेपन की दर सबसे अधिक है। यहां 46.36 प्रतिशत बच्चे बौनापन के शिकार हैं। वहीं दूसरे स्थान पर लक्षद्वीप है, यहां 46.31 प्रतिशत बच्चे बौने हैं। वहीं महाराष्ट्र 44.59 प्रतिशत और मध्यप्रदेश में 41.61 प्रतिशत बौनेपन की दर दर्ज हुई। उन्होंने बताया कि कुपोषण की एक गंभीर निशानी, कमजोरी जो कि लक्षद्वीप में सबसे गंभीर स्थिति में है। यहां 13.22 प्रतिशत बच्चे कुपोषण से प्रभावित हैं। उधर बिहार में 9.81 प्रतिशत और गुजरात में 9.16 प्रतिशत की उच्च कमजोरी दर दर्ज हुई। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह समस्या आमतौर पर अपर्याप्त भोजन या बीमारियों के कारण होता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि कम वजन वाले बच्चे मध्यप्रदेश में सबसे अधिक है, 26.21 प्रतिशत बच्चे कम वजन वाले दर्ज किए गए। वहीं दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव 26.41 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। कम वजन वाली सूची में लक्षद्वीप तीसरे स्थान पर रहा, 23.25 प्रतिशत बच्चे यहां कम वजन वाले दर्ज हुए। यह स्थिति चिंताजनक है।

फ्रांसीसी रेलवे नेटवर्क पर हमला

ओलंपिक्स से पहले तोड़फोड़ और आगजनी, 8 लाख यात्री फंसे

पेरिस में शुक्रवार को फ्रांस में ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह से करीब 10 घंटे पहले ट्रेन नेटवर्क पर हमला हुआ। पेरिस समयानुसार सुबह 5ः15 बजे कई रेलवे लाइनों पर तोड़फोड़ और आगजनी की खबरें आईं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमले के आधे घंटे के भीतर, पेरिस जाने और वहां से आने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। कई ट्रेनें 90 मिनट तक लेट हो रही हैं। हमले के कारण लगभग 8 लाख यात्री स्टेशनों पर फंसे हुए हैं। फ्रांस की सरकारी रेलवे कंपनी SNCF ने सभी यात्रियों के लिए चेतावनी जारी की है और उन्हें स्टेशन न जाने की सलाह दी है। इस बात की जानकारी अभी तक नहीं मिली है कि रेलवे लाइनों पर हमला किसने और क्यों किया। पेरिस ओलंपिक्स के लिए भारत से 117 खिलाड़ी फ्रांस गए हैं। फ्रांस की राष्ट्रीय रेलवे कंपनी ने कहा कि देश में कुल 4 प्रमुख हाई-स्पीड ट्रेन लाइनें हैं, जो पूरे देश को पेरिस से जोड़ती हैं। इनमें से 3 पर हमला हुआ है, जबकि एक रेलवे लाइन पर हमला नाकाम किया गया। SNCF के प्रमुख ने कहा कि रात में हमारे रेल नेटवर्क और यातायात को रोकने का प्रयास किया गया। पेरिस के पश्चिम, उत्तर और पूर्व में चलने वाली TGV लाइनों पर आगजनी की तीन घटनाएं हुई हैं। ल्यों और मेडिटेरेनियन समुद्र की ओर जाने वाली रेलवे लाइन पर आगजनी का प्रयास नाकाम किया गया। SNCF ने ट्रेन सेवा की मरम्मत के लिए सैकड़ों कर्मियों को काम पर लगाया है। फ्रांसीसी मीडिया हाउस Le Monde के अनुसार, ट्रेन सेवा को बहाल करने में एक सप्ताह से अधिक का समय लगेगा। हमले का सबसे ज्यादा असर ब्रिटेन और बेल्जियम जाने वाली रेलवे लाइनों पर पड़ा है। हमले के मद्देनजर ब्रिटेन ने अपने नागरिकों के लिए ट्रैवेल एडवाइजरी जारी की है। लोगों से फ्रांसीसी रेलवे नेटवर्क का उपयोग न करने को कहा गया है। ब्रिटिश रेलवे कंपनी Eurostar ने कहा कि उन्होंने कई ट्रेनों को रद्द और डायवर्ट किया है।

आत्मरक्षा इजराइल का हक लेकिन अपनी रक्षा कैसे करता है यह महत्वपूर्ण : कमला हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मुलाकात के दौरान गाजा में जारी युद्ध में आम लोगों की मौत की घटनाओं समेत मानवीय पीड़ा को रेखांकित किया और कहा कि इजराइल को आत्मरक्षा करने का अधिकार है, लेकिन मायने यह रखता है कि वह अपनी रक्षा किस तरीके से करता है। हैरिस ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस% परिसर के आइजनहावर कार्यपालिका कार्यालय भवन में नेतन्याहू से मुलाकात की। उन्होंने इस मुलाकात के तत्काल बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैंने यह कई बार कहा है, लेकिन इसे दोहराना जरूरी है। इजराइल को अपना बचाव करने का अधिकार है और वह ऐसा किस तरीके से करता है, यह मायने रखता है। हमास एक क्रूर आतंकवादी संगठन है। हमास ने सात अक्टूबर को 44 अमेरिकियों सहित 1,200 निर्दोष लोगों की हत्या कर इस युद्ध की शुरुआत की। हमास ने यौन हिंसा के भयानक कृत्य किए हैं और 250 लोगों को बंधक बनाया है। ऐसे अमेरिकी नागरिक हैं जो गाजा में बंदी बने हुए हैं। हैरिस ने कहा कि उन्होंने नेतन्याहू के साथ अपनी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री के समक्ष गाजा में बड़ी संख्या में निर्दोष आम नागरिकों की मौत होने समेत मानवीय पीड़ा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मैंने वहां की भयावह मानवीय स्थिति के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की है। वहां 20 लाख से अधिक लोग खाद्य असुरक्षा और पांच लाख लोग गंभीर स्तर की खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। पिछले नौ महीने में गाजा में जो कुछ हुआ है, वह विनाशकारी है। हैरिस ने कहा, ''कई मामलों में दूसरी, तीसरी या चौथी बार विस्थापित होने के बाद सुरक्षा के लिए भाग रहे हताश, भूखे लोगों और मृत बच्चों की तस्वीरें हैं। हम इन त्रासदियों के सामने आंखें नहीं मूंद सकते। मैं चुप नहीं रहूंगी। हैरिस ने कहा कि युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के समझौते को लेकर वार्ता जारी है। उन्होंने कहा कि समझौते के पहले चरण में पूर्ण युद्ध विराम होगा, जिसके तहत गाजा के आबादी वाले केंद्रों से इजराइजी सेना की वापसी होगी और दूसरे चरण में, इजराइली सेना गाजा से पूरी तरह से पीछे हट जाएगी और इससे शत्रुता का स्थायी अंत होगा। उन्होंने कहा, ''इस युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है और यह इस तरह से समाप्त होना चाहिए कि इजराइल सुरक्षित हो, सभी बंधकों को रिहा किया जाए, गाजा में फलस्तीनियों की पीड़ा समाप्त हो और फलस्तीनी स्वतंत्रता, गरिमा एवं आत्मनिर्णय के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें। इस समझौते को लेकर वार्ता में आशाजनक प्रगति हुई है। हैरिस ने कहा, ''मैंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से अभी कहा कि इस समझौते को करने का समय आ गया है। जो लोग युद्ध विराम और शांति चाहते हैं, मैं उन्हें देख रही हूं और सुन रही हूं। आइए, हम यह समझौता करें ताकि हम युद्ध समाप्त कर सकें, बंधकों को घर वापस लाया जा सके और फलस्तीनियों को अत्यावश्यक राहत प्रदान की जा सके।

नवी मुंबई में 3 मंजिला बिल्डिंग ढही

मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका ; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

मुंबई में भारी बारिश का दौर जारी है। इसके चलते कई जगहों पर हादसों की खबरें सामने आई हैं। शनिवार तड़के करीब 5 बजे नवी मुंबई में तीन मंजिला बिल्डिंग ढह गई। इसके मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। दो लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। जानकारी के मुताबिक, हादसा शाहबाज़ गांव इलाके में हुआ। जमींदोज हुई इमारत का नाम %इंदिरा निवास% है। इस बिल्डिंग में 13 फ्लैट हैं, बताया जा रहा है कि इमारत में 26 परिवार रहते थे, वक्त के साथ इमारत काफी कमजोर हो गई थी।नवी मुंबई नगर निगम कमिश्नर कैलास शिंदे ने बताया कि इमारत सुबह करीब 5 बजे ढही। बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर के अलावा तीन मंजिल बनी हुई थीं। यह इलाका शाहबाज गांव बेलापुर वार्ड के अंतर्गत आता है। उधर, चश्मदीदों ने बताया- हमें सुबह उठते ही किसी भारी चीज के गिरने की आवाज सुनाई दी। बाहर आकर देखा तो इंदिरा निवास जमींदोज हो चुकी थी। रात को यह बिल्डिंग सलामत थी, लेकिन सुबह मलबे में तब्दील हो गई। फिर हमने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। 20 जुलाई को भी मुंबई के ग्रैंड रोड इलाके में एक इमारत की बालकनी का कुछ हिस्सा गिरा था, जिससे एक शख्स की मौत हो गई थी और 13 अन्य घायल हुए थे। महाराष्ट्र में हो रही भारी बारिश से मुंबई में लोग बेहाल हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस बाधित होने से यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार (28 जुलाई) को मध्य महाराष्ट्र के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र के कई शहरों में लगातार भारी बारिश से जलजमाव और ट्रैफिक जाम के हालात हैं।

रिवाइज्ड रिजल्ट में नीट यूजी में 61 से घटकर 17 हो गई टॉपर्स की संख्या

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को नीट-यूजी 2024 का रिवाइज्ड रिजल्ट जारी कर दिया। 4.2 लाख स्टूडेंट्स की रैंक बदल गई। वहीं, टॉपर्स की संख्या 61 से घटकर 17 हो गई। ऐसा फिजिक्स के एक सवाल की वजह से हुआ। एग्जाम में इस सवाल के 2 विकल्प सही थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एक समिति बनाकर इसका एक विकल्प चुनने को कहा था। साथ ही एनटीए को रिवाइज्ड रिजल्ट जारी करने को कहा था। 4 जून को जारी रिजल्ट में टॉपर्स की संख्या 67 थी। लेकिन ग्रेस मार्क्स विवाद के बाद हुए एग्जाम में 6 टॉपर्स कम हो गए थे। यह परीक्षा 5 मई को देश भर के 571 शहरों में 4,750 सेंटर्स पर हुई थी। 24 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स शामिल हुए थे। नीट मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एग्जाम में फिजिक्स के 2 सही ऑप्शन वाले क्वेश्चन नंबर 19 की जांच का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 2 सही ऑप्शन देने से 44 स्टूडेंट्स को बोनस मार्क्स मिले और 4.2 लाख कैंडिडेट्स को नुकसान हुआ है। इस पर आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स की राय लें। कोर्ट ने आदेश दिया था कि आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर 2 जवाबों वाले सवाल की जांच के लिए एक 3 मेंबर्स की एक्सपर्ट कमेटी बनाएं। एक्सपर्ट टीम उनमें से एक सही ऑप्शन चुनकर मंगलवार, 23 जुलाई को 12 बजे तक रजिस्ट्रार को अपनी राय भेजें। सुप्रीम कोर्ट ने 23 जुलाई को नीट की परीक्षा दोबारा कराने से इनकार कर दिया था। सीजेआई ने कहा था कि पूरी परीक्षा में गड़बड़ी होने के पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। कोर्ट ने नीट एग्जाम में गड़बड़ी, पेपर लीक से जुड़ी 40 याचिकाओं पर पांच सुनवाई की थीं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि अगर जांच के दौरान कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसी स्थिति में उसे एडमिशन नहीं मिलेगा।

पापुआ न्यू गिनी में एक गिरोह ने की 26 ग्रामीणों की हत्या, मृतकों में बच्चे भी शामिल

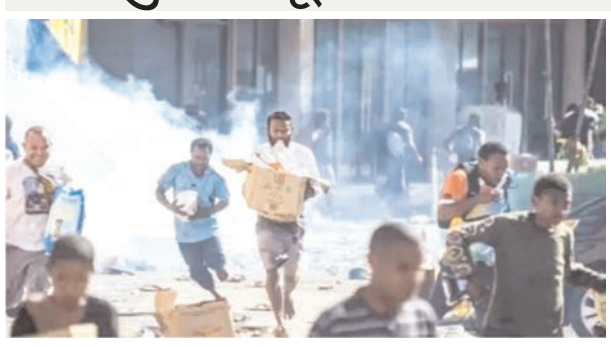

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)। संयुक्त राष्ट्र और पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पापुआ न्यू गिनी के उत्तरी हिस्से में दूर दराज के तीन गांवों में एक गिरोह के हाथों कम से कम 26 लोगों के मारे जाने की खबर है। दक्षिण प्रशांत द्वीप राष्ट्र के ईस्ट सेपिक प्रांत के कार्यवाहक प्रांतीय पुलिस कमांडर जेम्स बाउगेन ने शुक्रवार को 'ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प को बताया ''घटना बहुत भयावह थीज, जब मैं घटनास्थल पर पहुंचा तो देखा कि वहां बच्चे, पुरुष व महिलाओं की लाशें पड़ी थीं। उन्हें 30 युवकों के एक समूह ने मार डाला। बाउगेन ने एबीसी को बताया कि गांवों के सभी घर जला दिए गए हैं और शेष ग्रामीण पुलिस थाने में शरण लिए हुए हैं। बाउगेन के अनुसार, ग्रामीण हमलावरों का नाम बताने से भी डर रहे हैं। उन्होंने बताया ''रात में कुछ शवों को पास के दलदल के मगरमच्छों ने निवाला बना लिया।

हमने केवल वह जगह देखी जहां उन्हें मारा गया था। लोगों के सिर काट दिए गए थे। बाउगेन ने बताया कि हमलावर छिप गए हैं और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयुक्त वोल्कर तुर्क ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान में बताया कि हमले 16 जुलाई और 18 जुलाई को हुए थे। उन्होंने कहा मैं पापुआ न्यू गिनी में घातक हिंसा के अचानक फैलने से भयभीत हूं। यह हिंसा भूमि और झील के स्वामित्व और इसके उपयोग संबंधी विवाद का परिणाम प्रतीत होती है। तुर्क ने बताया कि कम से कम 26 लोगों के मारे जाने की खबर है, जिनमें 16 बच्चे शामिल हैं। उन्होंने कहा ''यह संख्या बढ़ कर 50 से अधिक हो सकती है क्योंकि स्थानीय अधिकारी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा घरों को जला दिए जाने कारण 200 से अधिक ग्रामीण अन्यत्र चले गए है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569